वर्ष : 34 | अंक : 244 | मुंबई, मंगलवार, 11 नवंबर 2025 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर

भारत को दहलाने की साजिश

आतंक के डॉक्टर

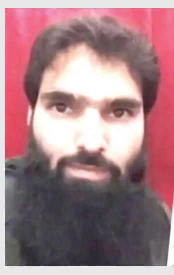

- डॉक्टर के घर आतंक का जखीरा!
- 2910 किलो विस्फोटक, एके-47, जिंदा कारतूस बरामद

एजेंसी | फरीदाबाद

इस खबर को लिखे जाने तक इस बात की पुष्टि तो नहीं हो सकी है कि दिल्ली में लाल किले के पास आखिर कार में वह जोरदार धमाका क्यों और कैसे हुआ पर विस्फोट के तुरंत बाद सबका ध्यान दिन में हुए एक बड़े घटनाक्रम की ओर गया है। और अंदेशा इस बात का है कि कहीं दोनों में कोई संबंध तो नहीं? सुबह दिल्ली से कुछ ही किलोमीटर दूर फरीदाबाद में एक डॉक्टर और संदिग्ध आतंकी के घर से 2910 किलो विस्फोटक बरामद हुआ और शाम को ही राजधानी में इतना बड़ा धमाका हो गया। क्या यह महज संयोग है या फिर इनका कोई संबंध है, इसकी जांच सुरक्षा एजेंसियां कर रही हैं। दरअसल, हरियाणा और जम्मू एंड कश्मीर की पुलिस ने आतंकी तंत्र मॉड्यूल मामले में सोमवार को फरीदाबाद के गांव फतेहपुर तगा की कॉलोनी में छापेमारी की। यहां आरोपी डॉक्टर के कमरे से करीब 2540 संदिग्ध विस्फोटक सामग्री बरामद की है। आरोपी ने एक मौलवी का कमरा किराए पर लिया हुआ था। दोनों राज्यों की पुलिस ने करीब 8 घंटे कार्रवाई चली। इस मामले में जम्मू एंड कश्मीर पुलिस ने देशभर से 8 लोगों को गिरफ्तार किया है।

गुजरात से तीन आतंकियों की गिरफ्तारी

- गिरफ्तार आईएसआईएस आतंकी डॉक्टर बना रहा था 'राइजिन' जहर
- तीन शहरों में तबाही मचाने की थी साजिश

एजेंसी | अहमदाबाद

गुजरात एंटी टेररिज्म स्क्वाड (ATS) ने सोमवार को दिल दहला देने वाला खुलासा किया है। अहमदाबाद से गिरफ्तार किए गए तीन आईएसआईएस आतंकियों (ISIS terrorists) में शामिल एक डॉक्टर 'राइजिन' नाम का घातक जहर तैयार कर रहा था। अधिकारियों ने बताया कि डॉ अहमद मोहियुद्दीन सैयद, (उम्र 35 वर्ष) हैदराबाद का रहने वाला है और पिछले छह माह से इस खतरनाक योजना पर काम कर रहा था। जांच में सामने आया कि आरोपी डॉक्टर ने दिल्ली की आजादपुर मंडी, अहमदाबाद के नारोदा फल बाजार और लखनऊ स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कार्यालय का सर्वे किया था।

कार धमाके से दहली दिल्ली

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली में लाल किले के पास कार में जोरदार धमाका हुआ है। ब्लास्ट में 11 लोगों की मौत हो गई है और 24 लोग घायल हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि एक i-20 कार के पिछले हिस्से में धमाका हुआ है। दिल्ली पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा ने बताया कि फोर्ट मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास शाम 6.52 बजे ब्लास्ट हुआ। घटना के बाद गृह मंत्री अमित शाम LNJP अस्पताल पहुंचे।

11 की मौत
24 घायल

लाल किले के पास चलती कार में धमाका

दिल्ली, मुंबई, राजस्थान, यूपी में हाई अलर्ट

पीएम ने गृह मंत्री से लिया धमाके का अपडेट

दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास हुए धमाके के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्थिति का जायजा लिया है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात की और स्थिति पर अपडेट लिया है। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लाल किले के पास हुए विस्फोट के बाद स्थिति का जायजा लेने के लिए दिल्ली पुलिस आयुक्त और खुफिया ब्यूरो के निदेशक से बात की। गृह मंत्री ने एनआईए, एनएसजी और फोरेंसिक विज्ञान के प्रमुखों को जांच में सहायता और साक्ष्य एकत्र करने के लिए टीमें भेजने का निर्देश दिया।

पीएम मोदी ने घटना पर दुख जताया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली धमाके को लेकर सोशल मीडिया पर लिखा, 'आज शाम दिल्ली में हुए विस्फोट में अपनों को खोने वालों के प्रति संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रभावित लोगों की सहायता अधिकारी कर रहे हैं। मैंने गृह मंत्री अमित शाह जी और अन्य अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की है।'

बेहद दर्दनाक और चिंताजनक : राहुल

दिल्ली में हुए विस्फोट को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए कार विस्फोट की खबर बेहद दर्दनाक और चिंताजनक है। इस दुखद हादसे में कई निर्दोष लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। इस दुख की घड़ी में अपने प्रियजनों को खोने वाले शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ा हूं और उनको अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

दिल्ली में धमाके के बाद महाराष्ट्र में अलर्ट

महाराष्ट्र गृह विभाग के सूत्र ने बताया कि हरियाणा के फरीदाबाद से 360 किलोग्राम संभावित अमोनियम नाइट्रेट की बरामदगी के बाद, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज दोपहर वर्षा में सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की और समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। अब, दिल्ली की घटना के बाद, उन्होंने एक बार फिर पुलिस को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। सभी एजेंसियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

उत्तर प्रदेश में भी हाई अलर्ट घोषित

दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास हुए विस्फोट के बाद उत्तर प्रदेश में अलर्ट जारी कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश के एडीजी (कानून-व्यवस्था) अमिताभ यश ने बताया कि डीजीपी ने उत्तर प्रदेश के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को संवेदनशील धार्मिक स्थलों, संवेदनशील जिलों और सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

पहचान का नया आधार

पुराने ऐप से अलग कैसे

इससे पहले उपयोगकर्ता पुराना mAadhaar ऐप इस्तेमाल कर रहे थे। लेकिन इसमें कुछ सुविधाएं मौजूद नहीं थी। इनमें डिजिटल कार्ड डाउनलोड करना, पीवीसी कार्ड के लिए अनुरोध भेजना, ईमेल और मोबाइल सत्यापित करना और वर्चुअल आईडी जनरेट करना शामिल है।

- नए आधार ऐप से क्यूआर दिखाकर अपना विवरण कर सकेंगे साझा
- फिजिकल कार्ड की जरूरत नहीं, फोन में 5 फैमिली मेंबर के आधार रख

ऐसे करें इस्तेमाल?

- सबसे पहले ऐप को प्ले स्टोर या ऐप स्टोर से AADHAAR APP डाउनलोड और इंस्टॉल करें।
- अपनी पसंदीदा भाषा चुनें और अपना 12 अंकों का आधार नंबर दर्ज करें।
- ऐप आधार से पंजीकृत मोबाइल नंबर से एसएमएस भेजने के लिए कहेगा।
- ओटीपी करने के बाद चेहरे का सत्यापन करने के लिए कहा जाएगा।
- इसे पूरा करने के बाद छह अंकों का पासवर्ड दर्ज करें।
- इसके बाद ऐप के प्रोफाइल पेज पर आपका आधार कार्ड देख दिख जाएगा।
- अब इसमें चुनिंदा जानकारियों को छिपा सकते हैं और बायोमेट्रिक लॉक जोड़ सकते हैं।

क्या फायदा होगा?

- होटल चेक-इन, सिम को सक्रिय करने बैंक केवाईसी जैसे काम अब मिनटों में होंगे।
- एक ही फोन पर परिवार के सभी सदस्यों का आधार विवरण देखा जा सकेगा
- क्यूआर या फेस स्कैन से जानकारी साझा करने पर व्यक्तिगत डाटा सुरक्षित रहेगा।

UIDAI ने लॉन्च किया नया आधार एप

एजेंसी | नई दिल्ली

आधार कार्ड आज हर भारतीय के लिए सबसे जरूरी दस्तावेज बन चुका है। बैंक से लेकर स्कूल, सरकारी योजनाओं से लेकर पहचान पत्र तक हर जगह इसकी जरूरत पड़ती है। लेकिन कई बार इसका फिजिकल कार्ड साथ रखना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (UIDAI) ने लोगों की इस परेशानी को खत्म करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। UIDAI ने आखिरकार अपना नया Aadhaar App लॉन्च कर दिया है, जो न सिर्फ सुविधाजनक है बल्कि सुरक्षा के मामले में भी पहले से कहीं ज्यादा मजबूत है। UIDAI ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पहले Twitter) पर इस ऐप की जानकारी साझा करते हुए बताया कि यह नया ऐप अब Android और iOS दोनों यूजर्स के लिए उपलब्ध है। यानी चाहे आपके पास कोई भी स्मार्टफोन हो, आप इस ऐप का फायदा उठा सकते हैं। इस ऐप का मकसद लोगों को हर जगह आधार की फिजिकल कॉपी लेकर चलने की झंझट से छुटकारा दिलाना है। नया नया आधार आपके आधार को डिजिटल तरीके से सुरक्षित रखता है और हर तरह की पहचान या वेरिफिकेशन प्रक्रिया को बेहद आसान बना देता है।

ये सहूलियत जोड़ी गईं

- चेहरे से तुरंत सत्यापन इस ऐप में फेस आईडी तकनीक जोड़ी गई है, जिससे उपयोगकर्ता सिर्फ अपने चेहरे को स्कैन करके आधार सत्यापन कर सकते हैं। इससे ओटीपी या बायोमेट्रिक उपकरण की जरूरत नहीं पड़ेगी।
- क्यूआर कोड से शेयरिंग भारतीय नागरिक क्यूआर कोड से डिजिटल आधार साझा कर सकेंगे। अब आधार कार्ड की कॉपी पास रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी।
- पूरा नियंत्रण लोग खुद तय कर सकेंगे कि आधार की कौन सी जानकारी सामने वाले को दिखानी है और कौन सी नहीं। उदाहरण के लिए नाम और फोटो साझा कर सकते हैं लेकिन पता और जन्मतिथि छिपा सकते हैं।
- बायोमेट्रिक लॉक/अनलॉक नए ऐप में बायोमेट्रिक जानकारी लॉक और अनलॉक करने की सुविधा जोड़ दी गई है। उपयोगकर्ता अपने फिंगरप्रिंट और फेस डाटा से को लॉक कर सकता है ताकि कोई और शख्स इसका इस्तेमाल न कर सके।
- उपयोग हिस्ट्री आधार का इस्तेमाल कहां और कब-कब हुआ, इसका पूरा विवरण ऐप में देखा जा सकेगा।

चाकणकर से पंगा भारी पड़ा

- ठोंबरे की एनसीपी प्रवक्ता पद से छुट्टी
- एनसीपी (एपी) ने रद्द की पुरानी नियुक्तियां
- 17 नए प्रवक्ताओं की सूची जारी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

सतारा जिले के फलटण उपजिला अस्पताल की डॉ. संपदा मुंडे की आत्महत्या मामले को लेकर एनसीपी (अजीत पवार गुट) बैकफुट पर आ गई है। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर को लेकर पार्टी नेताओं की आंतरिक आलोचना के बाद पार्टी ने सख्त कदम उठाया है। प्रवक्ता अमोल मिटकरी और रूपाली ठोंबरे पाटिल को पद से हटा दिया गया है।

पार्टी ने की बड़ी फेरबदल

एनसीपी (एपी) प्रदेशाध्यक्ष सुनील तटकरे ने पुरानी प्रवक्ता नियुक्तियां रद्द करते हुए 17 नए प्रवक्ताओं की सूची जारी की है। नई टीम में हेमलता पाटिल, प्रतिभा शिंदे, अनिल पाटिल, चेतन तुपे, सना मलिक, राजीव साबले, सायली दलवी, रूपाली चाकणकर, आनंद परांजपे, राजलक्ष्मी भोसले, प्रशांत पवार, शशिकांत तरंगे, बृजमोहन श्रीवास्तव, अविनाश आदिक, सूरज चव्हाण, विकास पासलकर और श्याम सानेर को शामिल किया गया है।

आलोचना के बाद कार्रवाई

डॉ. संपदा मुंडे आत्महत्या प्रकरण में आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर ने पुलिस का बचाव किया था, जिसके बाद शिवसेना (यूबीटी) की उपनेता सुषमा अंधारे और वंचित बहुजन आघाड़ी ने उनके इस्तीफे की मांग की थी। इसी मामले में एनसीपी की प्रवक्ता रूपाली पाटिल ने भी चाकणकर की आलोचना की थी, जिसके चलते उन्हें नोटिस जारी की गई थी। जवाब आने से पहले ही पार्टी ने उन्हें पद से हटा दिया।

स्थानीय चुनाव

नामांकन शुरू, लेकिन अभी तक गठबंधन पर फैसला नहीं

- 'मनसे' को लेकर महाआघाड़ी में मतभेद

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राज्य में नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों की सरगर्मी तेज हो गई है। सोमवार से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, लेकिन राज्य की दो प्रमुख राजनीतिक शक्तियां महाविकास आघाड़ी और महायुति अब तक गठबंधन और सीट बंटवारे पर सहमति नहीं बना पाई हैं। सूत्रों के अनुसार, कई जिलों में दलों के बीच आपसी मतभेद के चलते उम्मीदवारों के नामों पर भी निर्णय अटका हुआ है। महायुति की बैठक मंगलवार को होने की संभावना है, जबकि कांग्रेस बुधवार को अपने उम्मीदवारों की सूची पर अंतिम फैसला लेगी। अब पूरे राज्य में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) को महाआघाड़ी में शामिल किए जाने को लेकर मतभेद उभर आए हैं।

महायुति में भी सीट बंटवारे पर खींचतान

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल की आपत्ति के बाद मनसे की एंट्री पर सवाल खड़े हो गए हैं। माना जा रहा है कि अगर दोनों ठाकरे बंधु एक साथ आते हैं तो कांग्रेस और शरद पवार गुट अपने फैसले पर पुनर्विचार कर सकते हैं। हालांकि शिवसेना (उद्धव) के कुछ स्थानीय नेताओं ने मनसे के साथ गठबंधन के संकेत दिए हैं, जबकि राकांपा (शरद) ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं। दूसरी तरफ महायुति (भाजपा, शिवसेना-शिंदे गुट और राकांपा-अजित गुट) में भी सीट बंटवारे को लेकर असहमति बनी हुई है। भाजपा के कुछ स्थानीय नेता कई नगर परिषदों में अपने दम पर चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं, जबकि कुछ क्षेत्रों में अजित पवार और शिंदे गुट साथ नहीं आना चाहते।

देशभर में एसआईआर संबंधी याचिका पर सुनवाई आज से

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट मंगलवार से पूरे देश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने के चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई शुरू करेगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ अखिल एसआईआर प्रक्रिया पर चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई शुरू करेगी। पीठ ने कहा कि किसी भी नए मामले को भारत के मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई के समक्ष सूचीबद्ध करने के लिए उल्लेख किया जाना चाहिए। हम केवल बिहार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मामलों पर विचार कर रहे हैं। हमें नहीं पता कि अन्य मामले भी हमें आवंटित किए जाएंगे या नहीं।

फडणवीस सरकार का शिवभक्तों को सौगात

- तीन प्रमुख ज्योतिर्लिंग स्थलों के लिए तैयार होगा विस्तृत विकास प्रस्ताव
- मुख्यमंत्री फडणवीस ने कार्यों को तेजी से पूरा करने का दिया निर्देश

धीरज सिंह | मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र के ज्योतिर्लिंग स्थलों पर वर्षभर बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए श्री क्षेत्र भीमाशंकर (पुणे), श्री क्षेत्र औंढा नागनाथ (हिंगोली) और श्री क्षेत्र घृष्णेश्वर (छत्रपति संभाजीनगर) ज्योतिर्लिंगों के लिए विस्तृत विकास प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि मंदिर परिसरों में जारी सभी कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए और नई परियोजनाओं की ठोस एवं समुचित योजना बनाई जाए।

'वर्षा' निवास पर हुई उच्चस्तरीय बैठक

मुख्यमंत्री फडणवीस की अध्यक्षता में सोमवार को उनके शासकीय निवास 'वर्षा' पर इन तीनों ज्योतिर्लिंग स्थलों के विकास आराखड़ों की प्रस्तुति को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य सचिव राजेश कुमार, अपर मुख्य सचिव विकास खारगे (महसूल), व्ही. राधा (सामान्य प्रशासन), ओ.पी. गुप्ता (वित्त), असीमकुमार गुप्ता (नगर विकास), वेणुगोपाल रेड्डी (उच्च व तांत्रिक शिक्षा) और राजेश अग्रवाल (सामान्य प्रशासन) उपस्थित थे।

सुविधाओं के विकास पर जोर

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान और भविष्य में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए दर्शन व्यवस्था और यात्रा मार्ग का सुव्यवस्थित नियोजन आवश्यक है। मंदिर परिसरों में प्रतीक्षा कक्ष, पेयजल सुविधा, आवास व्यवस्था, आंतरिक मार्ग, सफाई, सूचना फलक, पर्यटक स्वागत केंद्र, पार्किंग, आपातकालीन तंत्र, टिकट काउंटर, स्वास्थ्य सेवाएँ और उपहारगृह जैसी सभी मूलभूत सुविधाएँ विकसित की जानी चाहिए।

पर्यटन को बढ़ावा देने वाली योजनाएँ प्राथमिकता पर

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि इन धार्मिक स्थलों पर पर्यटन को प्रोत्साहन देने वाली योजनाएँ प्राथमिकता से लागू की जाएँ। उन्होंने जोर दिया कि इन योजनाओं के क्रियान्वयन में स्थानीय नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए, ताकि क्षेत्र के लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलें और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्योतिर्लिंग स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था को अत्याधुनिक बनाना आवश्यक है। इसके लिए एआई और नवीन तकनीक की सहायता से एकीकृत सुरक्षा प्रणाली विकसित की जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध हो सके। उन्होंने मंदिर प्रबंधन के लिए सख्त नियम लागू करने पर भी जोर दिया।

न्यूज़ ब्रीफ

चोरी की ट्रेनिंग देने वाले दो गिरफ्तार

मुंबई। मलाड में चोरी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहाँ दो आरोपियों ने एक नाबालिग बच्चे को चोरी की ट्रेनिंग देकर सेना के एक कर्नल के घर में सेंध लगवाई। इस घटना में बच्चे ने गहनों और नकदी के साथ कर्नल की निजी पिस्तौल और कारतूस भी चुरा लिए। क्राइम ब्रांच यूनिट 12 (दहिसर) ने मामले की जाँच करते हुए बच्चे समेत दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना मलाड (पूर्व) के आर्मी कैंप इलाके की है, जहाँ भारतीय सेना के अधिकारी रहते हैं। शिकायतकर्ता एक आर्मी कर्नल हैं, जो इन दिनों लद्दाख में ड्यूटी पर तैनात हैं। उनके घर में 1 नवंबर को चोरी हुई थी। चोरों ने घर से सवा लाख रुपये के गहने और 3 लाख रुपये नकद चोरी किए। कर्नल की पत्नी, जो दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग की एक प्रसिद्ध अभिनेत्री हैं, उस दिन अपने बेटे के साथ लंच पर बाहर गई थीं। इस बीच दोपहर डेढ़ से शाम पाँच बजे के बीच चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। चोरी के बाद जब यह पता चला कि कर्नल की निजी रिवॉल्वर और 9 कारतूस भी गायब हैं, तो पुलिस ने इसे गंभीर मामला मानते हुए जाँच क्राइम ब्रांच को सौंप दी। जाँच के दौरान सीसीटीवी फुटेज में दो लोगों को एक छोटे बच्चे को दीवार पार कराते हुए देखा गया। फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर उन्हें मलाड से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों के नाम दीपक धानवे और विनायक बाविस्कर बताए गए हैं। उनके पास से चोरी के 480 ग्राम सोने के गहने, एक रिवॉल्वर और 9 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। जाँच में सामने आया कि आरोपियों ने उस बच्चे को पहले चोरी करना सिखाया था। वे दिन में बंद रहने वाले घरों को टारगेट करते थे और बच्चे को दीवार या खिड़की से अंदर भेज देते थे ताकि किसी को शक न हो। आरोपियों को इस बात का अंदाजा नहीं था कि यह घर सेना के अधिकारी का है।

'हिल्टन गार्डन इन होटल' के बाहर पेड़ों पर हुआ कंक्रीटीकरण, पर्यावरणविद नाराज़

मुंबई। अंधेरी (पूर्व) के सहार मार्ग स्थित हिल्टन गार्डन इन होटल के बाहर तीन बड़े पेड़ों के तूंठों पर कंक्रीट का निर्माण किए जाने का मामला सामने आया है। पर्यावरणविदों और स्थानीय नागरिकों ने इस पर कड़ी नाराज़गी जताई है। आरोप है कि पेड़ों की सुरक्षा से जुड़े पर्यावरणीय नियमों का खुला उल्लंघन किया गया है। वॉचडॉग फाउंडेशन ने इस मामले में मुंबई नगर आयुक्त भूषण गगरानी को पत्र लिखकर जांच की मांग की है। संस्था का कहना है कि होटल प्रबंधन ने तीन-चार महीने पहले खुलने के बाद परिसर में तीन परिपक्व पेड़ों के चारों ओर कंक्रीट और टाइलें बिछा दीं। इससे पेड़ों की जड़ों तक हवा और पानी पहुंचना बंद हो गया है, जिससे पेड़ों के सूखने का खतरा बढ़ गया है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) और सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पेड़ों के आधार के चारों ओर कम से कम एक मीटर खुली जगह छोड़ी जानी चाहिए। इसके बावजूद, अंधेरी क्षेत्र में बार-बार इस नियम की अनदेखी की जा रही है। फाउंडेशन ने आरोप लगाया है कि नगर निगम के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से यह कंक्रीटीकरण किया गया है।

ओशिवारा पुलिस स्टेशन में विवाद, दो अधिकारी निलंबित

मुंबई। दो समूहों के बीच विवाद सुलझाने के दौरान दुर्व्यवहार के आरोप में ओशिवारा पुलिस स्टेशन के दो पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। वहीं पाँच अन्य पुलिसकर्मियों से पूछताछ के आदेश दिए गए हैं। घटना के बाद स्थानीय नागरिकों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं के विरोध के चलते जोन 9 के पुलिस उपायुक्त ने यह कार्रवाई की। 4 नवंबर को जोगेश्वरी के आनंद नगर इलाके में दो समुदायों के बीच विवाद हुआ था। बताया जाता है कि एक दुकानदार पर दूसरे समूह के लोगों ने हमला किया। इसके बाद एक राजनीतिक दल के कार्यकर्ता उस दुकानदार के समर्थन में ओशिवारा पुलिस स्टेशन पहुँचे। इसी दौरान एक महिला ने उत्पीड़न की शिकायत लेकर थाने आई थी। राजनीतिक दल के नेता ने उसकी शिकायत पर कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस निरीक्षक से मुलाकात की। इस बीच बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पुलिस स्टेशन परिसर में इकट्ठा हो गए।

भाजपा के भावी नगरसेवक साई पक्ष में हुए शामिल

उल्हासनगर में सियासी उलटफेर

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

आगामी मनपा चुनाव को देखते हुए उल्हासनगर की राजनीति में उठापटक तेज हो गई है। रविवार को विभाजन की राजनीति के बीच बड़ी हलचल देखने को मिली, जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के पूर्व वरिष्ठ नगरसेवक सतरामदास जेसवानी, प्रहार संगठन के अध्यक्ष प्रधान पाटिल और प्रसिद्ध गायिका निशा भगत की दो बेटियां भाजपा में शामिल हो गईं।

राष्ट्रवादी कांग्रेस, प्रहार संगठन और टीम ओमी कालानी के नेता और कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए

भाजपा में बड़े नेताओं का प्रवेश

रविवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण की मौजूदगी में पूर्व नगरसेवक सतरामदास जेसवानी, शंकर दवाणी, सुनील दुसेजा, पूर्व नगरसेवक प्रधान पाटिल, शिवसेना (शिंदे गुट) के रवि वसीटा डॉ. संजीवनी कांबले और एडवोकेट अश्विनी कांबले समेत सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। ये सभी नेता ओमी कालानी गुट के कट्टर समर्थक माने जाते रहे हैं। इस प्रवेश से एनसीपी (अजित पवार) गुट की टीम ओमी कालानी और भरत गंगोत्री को बड़ा झटका लगा है।

कालानी गुट में भी शुरू हुई फूट

उधर, कालानी समर्थक टीम ओमी कालानी को झटका देने के साथ ही अब कालानी गुट के भीतर भी दरार की खबरें हैं। शनिवार को कांग्रेस की पूर्व महापौर मालती राधाचरण करोतिया अपने बेटे के साथ टीम ओमी कालानी में शामिल हो गईं। बताया जा रहा है कि उनके पति और शिवसेना (उद्धव गुट) के महानगर प्रमुख राधाचरण करोतिया ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है और वे भी जल्द कालानी गुट में शामिल हो सकते हैं।

साई पक्ष में भी शामिल हुए नेता

भाजपा पैनल 12 के नेता बालू अम्बेडकर ने अपने समर्थकों के साथ साई पक्ष में प्रवेश कर राजनीतिक समीकरणों में और उलझन बढ़ा दी है। इससे पहले चार दिन पूर्व हुई भाजपा की बैठक में टीम ओमी कालानी के कई कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए थे, जहां भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश वढारिया ने उल्हासनगर को कालानी मुक्त कराने का ऐलान किया था।

करोतिया परिवार का दिलचस्प राजनीतिक सफर

करोतिया परिवार का राजनीतिक सफर बेहद रोचक रहा है। उन्होंने अब तक दलित पैंथर, भारतीय दलित पैंथर, आरपीआई (अठावले), कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी, शिवसेना और अब टीम ओमी कालानी जैसे विभिन्न दलों का हिस्सा बन चुके हैं।

पूर्व मंत्री शंकरराव गडाख ने यूबीटी से दिया इस्तीफा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/अहिल्यानगर

पूर्व मंत्री और अहिल्यानगर जिले के वरिष्ठ नेता शंकरराव गडाख ने सोमवार को शिवसेना (यूबीटी) की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उनके इस कदम को उद्धव ठाकरे के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। गडाख ने कहा कि उन्होंने यह निर्णय पूरी तरह सोच-समझकर लिया है और फिलहाल किसी अन्य राजनीतिक दल में शामिल होने का कोई इरादा नहीं है।

स्थानीय चुनाव में 'क्रांतिकारी शेतकरी पक्ष' से उतरेंगे मैदान में

उन्होंने घोषणा की कि आगामी स्थानीय निकाय चुनाव में वे अपनी पार्टी 'क्रांतिकारी शेतकरी पक्ष' के बैनर तले चुनाव लड़ेंगे। गडाख ने इस पार्टी को पुनर्जीवित करने और स्वतंत्र रूप से नेतृत्व करने का संकल्प जताया। गौरतलब है कि महाविकास अघाड़ी सरकार के दौरान गडाख जल संसाधन मंत्री रहे थे। शिवसेना में फूट के समय उन्होंने उद्धव ठाकरे का साथ नहीं छोड़ा था और एकनाथ शिंदे के विद्रोह के बावजूद ठाकरे गुट के साथ डटे रहे। गडाख ने पिछला विधानसभा चुनाव नेवासा सीट से 'मशाल' चुनाव चिन्ह पर लड़ा था, हालांकि उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

कर चोरी मामले में व्यापारी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | मीरा रोड

महाराष्ट्र राज्य कर विभाग ने मीरा रोड के व्यापारी श्रीकांत वैद्यनाथ को 8.43 करोड़ रुपये की कर चोरी मामले में गिरफ्तार किया है। इस मामले गहन छानबीन महाराष्ट्र राज्य कर विभाग की ठाणे टीम कर रही है। महाराष्ट्र राज्य कर विभाग के अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि व्यापारी श्रीकांत वैद्यनाथ ने 8.43 करोड़ रुपये का फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) बनाया था। इसकी छानबीन करने पर यह फर्जी इनपुट क्रेडिट भी फर्जी कंपनी के नाम पर बनाया गया था। व्यापारी श्रीकांत को मेसर्स श्रीकांत एंटरप्राइजेज का मालिक बताया गया था और इसका घोषित व्यावसायिक पता- सी-118, मीरा दर्शन कॉम्प्लेक्स, एमटीएनएल रोड, जांगिड़ सर्कल दिया गया था। जब जांचकर्ता इस पते पर गए तो मौके पर श्रीकांत एंटरप्राइजेज नामक कोई कंपनी नहीं मिली।

बिना पंजीकरण चल रहीं दिव्यांग संस्थाओं पर होगी कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे जिले सहित मुंबई संभाग में दिव्यांगजनों के क्षेत्र में कार्यरत कई संस्थाएँ बिना सरकारी पंजीकरण के कार्य कर रही हैं। इस पर संज्ञान लेते हुए ठाणे जिला परिषद के दिव्यांग कल्याण विभाग ने ऐसी संस्थाओं के खिलाफ कानून के अनुसार जल्द ही कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है।

30 नवंबर तक पंजीकरण पूरा करना अनिवार्य

ठाणे जिला परिषद की समाज कल्याण विभाग प्रमुख उज्ज्वला सपकाले ने बताया कि जिले में कार्यरत सभी दिव्यांग संगठनों को 30 नवंबर, 2025 तक पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करनी होगी। उन्होंने अपील की कि प्रत्येक संस्था अपने दस्तावेज जल्द से जल्द जमा करें ताकि कार्रवाई से बचा जा सके।

बिना पंजीकरण संचालन पर होगी दंडात्मक कार्रवाई

अधिनियम की धारा 91 के तहत बिना पंजीकरण संचालन करना कानून का उल्लंघन माना जाएगा, जिसके लिए दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है। उज्ज्वला सपकाले ने स्पष्ट किया कि जिले में दिव्यांगजनों के पुनर्वास, शिक्षा और सशक्तिकरण में सक्रिय सभी संस्थाएँ 30 नवंबर, 2025 से पहले जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी कार्यालय में अपने प्रस्ताव और आवश्यक दस्तावेज जमा करें। पंजीकरण के लिए संस्था को अपने पंजीकरण दस्तावेज, कार्य का विवरण, लाभार्थियों की जानकारी और अन्य आवश्यक कागजात संलग्न करने होंगे।

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के तहत जरूरी है पंजीकरण

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 की धारा 51 और 52 के अनुसार, दिव्यांगजनों के कल्याण के क्षेत्र में काम करने वाली सभी संस्थाओं के लिए सरकार से पंजीकरण कराना अनिवार्य है। राज्य सरकार ने इस अधिनियम के तहत दिव्यांगजन कल्याण आयुक्त को सक्षम प्राधिकारी घोषित किया है, जो संस्थाओं को पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी करते हैं।

मुंबई, पुणे और नागपुर में हाई अलर्ट

आरएसएस मुख्यालय के आसपास सुरक्षा कड़ी

मुंबई। दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक कार में हुए भीषण विस्फोट के बाद पूरे देश में दहशत का माहौल है। इस धमाके में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। धमाका इतना जोरदार था कि आसपास खड़ी कई गाड़ियां चकनाचूर हो गईं और उनमें आग लग गई। धमाके के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। दिल्ली में भीषण धमाके के बाद महाराष्ट्र में सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया है। मुंबई, पुणे और नागपुर में पुलिस और खुफिया विभाग हाई अलर्ट मोड पर हैं। भीड़भाड़ वाले बाजारों, रेलवे स्टेशनों, मॉल और सरकारी परिसरों में सुरक्षा जांच बढ़ा दी गई है। पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी मॉनिटरिंग भी तेज कर दी है। पुलिस ने नागरिकों से सतर्क रहने, किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की तुरंत सूचना देने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

ग्रामीणों ने पुलिस पर लगाया शिकायत नहीं सुनने का आरोप

5 दशक प्राचीन मंदिर नदारद

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे शहर के ढोकली क्षेत्र में ग्रामीणों ने विधायक संजय केलकर से शिकायत की है कि हाईलैंड पार्क रोड स्थित 50 साल पुराने कुलदेवता मंदिर की मूर्तियाँ और मंदिर परिसर से जुड़ी सामग्री रहस्यमय ढंग से गायब हो गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस गंभीर मामले की शिकायत करने के बावजूद पुलिस ने अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की है।

विधायक ने दिए जांच के निर्देश

सोमवार को ठाणे शहर के विधायक संजय केलकर ने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल जांच के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नवरात्रि पर मंदिर की सफाई के दौरान हुआ खुलासा

ग्रामीणों ने बताया कि 20 सितंबर को नवरात्रि के अवसर पर जब वे मंदिर की सफाई करने पहुँचे, तो देखा कि मंदिर की मूर्तियाँ, चाँदी के बर्तन और अन्य सामग्री गायब थी। इतना ही नहीं, मंदिर के पास स्थित कुआँ भी बंद कर दिया गया था। इस घटना से ग्रामीणों में आक्रोश है। उन्होंने बताया कि पुलिस में शिकायत देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिसके बाद वे विधायक से मिलने पहुँचे। यह मामला सोमवार को खोपट स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित 'एक जनसेवक का जनसंवाद' कार्यक्रम के दौरान सामने आया। इस कार्यक्रम में ढोकली के ग्रामीणों ने अपनी शिकायत विधायक केलकर को सौंपी। विधायक संजय केलकर का जनसंवाद कार्यक्रम सिर्फ ठाणे तक सीमित नहीं है। मुंबई, बदलापुर, रायगढ़ और रत्नागिरी सहित कई जिलों के नागरिक अपनी समस्याएँ लेकर उनसे मिलने आ रहे हैं।

टीएमसी चुनाव में 131 वार्डों के लिए 11 नवंबर को आरक्षण ड्रा

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

वर्ष 2025 में होने वाले ठाणे नगर निगम के आम चुनावों के लिए, आरक्षण निर्धारण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अनुसूचित जाति (महिला), अनुसूचित जनजाति (महिला), पिछड़ा वर्ग के नागरिक, पिछड़ा वर्ग (महिला) और सामान्य महिला वर्ग के लिए आरक्षण तय करने हेतु ड्रा का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। यह ड्रा मंगलवार, 11 नवंबर को सुबह 10 बजे राम गणेश गडकरी रंगायतन, मूस रोड, तलावपाली, ठाणे (पश्चिम) में आयोजित किया जाएगा।

कुल 33 वार्डों से चुने जाएंगे 131 सदस्य

ठाणे नगर निगम में कुल 33 वार्ड हैं, जिनमें से 32 चार सदस्यीय और एक वार्ड तीन सदस्यीय है। इन वार्डों से कुल 131 सदस्य चुने जाएंगे। इनमें 09 सीटें अनुसूचित जाति, 03 अनुसूचित जनजाति, 35 पिछड़ा वर्ग के नागरिकों और 84 सामान्य वर्ग के लिए निर्धारित की गई हैं।

आरक्षण की निर्धारित सारणी

- सामान्य खुली श्रेणी – 43 वार्ड
- सामान्य खुली श्रेणी (महिला) – 41 वार्ड
- पिछड़ा वर्ग के नागरिक – 17 वार्ड
- पिछड़ा वर्ग के नागरिक (महिला) – 18 वार्ड
- अनुसूचित जाति – 04 वार्ड
- अनुसूचित जाति (महिला) – 05 वार्ड
- अनुसूचित जनजाति – 01 वार्ड
- अनुसूचित जनजाति (महिला) – 02 वार्ड

आपत्तियाँ और सुझाव देने की अवधि तय

आरक्षण का प्रारूप सोमवार, 17 नवंबर, 2025 को प्रकाशित किया जाएगा। इस पर आपत्तियाँ और सुझाव 17 नवंबर से 24 नवंबर, 2025 (दोपहर 3 बजे तक) तक दर्ज किए जा सकेंगे। ठाणे नगर निगम के प्रशासक एवं आयुक्त सौरभ राव ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी आपत्तियाँ और सुझाव नगर निगम मुख्यालय स्थित सहायक चुनाव अधिकारी वार्ड समिति कार्यालयों में ही जमा करें।

छात्रों की उपस्थिति में निकाली जाएगी लॉटरी

आरक्षित श्रेणियों की सीटों के लिए लॉटरी स्कूली छात्रों की उपस्थिति में निकाली जाएगी। सबसे पहले अनुसूचित जाति की महिलाओं के लिए 05 सीटों की लॉटरी निकाली जाएगी, इसके बाद अनुसूचित जनजाति की 02 सीटों का चयन होगा।

महिलाओं के लिए 66 सीटें आरक्षित

कुल 131 सीटों में से 66 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। इनमें से 05 सीटें अनुसूचित जाति, 02 अनुसूचित जनजाति, 18 पिछड़ा वर्ग और 41 सीटें सामान्य वर्ग की महिलाओं के लिए रखी गई हैं। इस तरह, ठाणे नगर निगम में महिला प्रतिनिधित्व को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगभग आधी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की गई हैं।

ऑनलाइन आपत्तियाँ स्वीकार नहीं होंगी

नगर निगम के चुनाव विभाग ने स्पष्ट किया है कि ईमेल या ऑनलाइन माध्यम से भेजी गई आपत्तियाँ और सुझाव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। प्राप्त आपत्तियों पर विचार करने के बाद अंतिम आरक्षण अधिसूचना प्रकाशित की जाएगी।

शहाड़ ब्रिज मरम्मत जोरशोर से शुरु

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

कल्याण-मुरबाड रोड पर स्थित शहाड ब्रिज का मरम्मत कार्य अब पूरी गति से चल रहा है। पुल बंद हुए छह दिन बीत चुके हैं और इंजीनियरों के अनुसार पुल के दो जॉइंट्स पूरी तरह खराब हो चुके थे, जिनका बदलाव जरूरी था। वर्तमान में दोनों खराब जॉइंट्स को बदलने का कार्य जारी है।

समय से पूर्व काम पूर्ण होने की उम्मीद

निर्धारित समय से पहले पूरा होगा काम

उल्हासनगर साइड से खड़ी डालने का काम शुरू कर दिया गया है, जबकि कल्याण साइड पर यह कार्य रात से शुरू होकर कल तक पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद पुल पर मास्टिक वर्क किया जाएगा। साथ ही पुल की धूल हटाने और पानी डालने का कार्य भी शुरू है। कार्य की गति को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि मरम्मत निर्धारित अवधि से पहले पूरी हो जाएगी। आमदार कुमार आयलानी स्वयं लगातार कार्य की निगरानी कर रहे हैं ताकि नागरिकों को जल्द राहत मिल सके।

जनवरी तक घोड़बंदर रोड होगा जाममुक्त

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने सोमवार को कहा कि गायमुख घाट के पुनर्निर्माण, घोड़बंदर सर्विस रोड कनेक्शन, अमृत जल पाइप बिछाने और महावितरण चैनलों के स्थानांतरण जैसे सभी कार्य पूरे होने के साथ, जनवरी 2026 तक घोड़बंदर रोड पूरी तरह यातायात-संकुलन मुक्त हो जाएगा। यह जानकारी अरविंद पेंडसे सभागृह में आयोजित समीक्षा बैठक में दी गई, जिसमें मनपा आयुक्त सौरभ राव, एमएमआरडीए के संयुक्त महानगर आयुक्त आस्तिक कुमार पांडे, अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे, यातायात पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट और अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सभी विभागों को मिला एकजुट होकर काम करने का निर्देश

बैठक में न्याय विभाग के प्रतिनिधियों ने घोड़बंदर रोड से संबंधित समस्याओं पर प्रस्तुति दी, जिसकी समीक्षा के बाद मंत्री सरनाईक ने एमएमआरडीए, मनपा, मेट्रो और लोक निर्माण विभाग से सड़क कार्यों की प्रगति रिपोर्ट मांगी। उन्होंने निर्देश दिया कि गायमुख घाट में सड़क पुनर्निर्माण कार्य यातायात पुलिस के समन्वय में किया जाए। साथ ही, सभी फ्लाईओवरों की मरम्मत और सुदृढ़ीकरण का कार्य एक साथ शुरू कर निर्धारित समय में पूरा करने पर जोर दिया गया। मंत्री ने यह भी कहा कि गायमुख घाट का सुदृढ़ीकरण कार्य पूरा होते ही घोड़बंदर रोड को ठाणे नगर निगम को शीघ्र हस्तांतरित किया जाए।

ओवला-माजीवाड़ा क्षेत्र की विकास परियोजनाओं की समीक्षा

इस मौके पर मंत्री सरनाईक ने ओवला-माजीवाड़ा विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न विकास योजनाओं की भी समीक्षा की। इनमें वर्तकनगर, माजीवाड़ा, लोढ़ा और समता नगर में सामुदायिक मंदिर, नागला बंदर खाड़ी तट और कंडलवन उद्यान का सौंदर्यीकरण, उपवन में धर्मवीर आनंद दिघे जिमखाना, रिविमिंग पूल, श्मशान, बालासाहेब ठाकरे आर्ट गैलरी, अप्पासाहेब धर्माधिकारी भवन, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर सामाजिक न्याय भवन जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। इसके साथ ही आनंद नगर, कासरवडवली, भयंदर पाड़ा और वर्तकनगर में खेल परिसर, गार्डन, अस्पताल, महिला छात्रावास, जॉगिंग ट्रैक और पुस्तकालय जैसी नागरिक सुविधाओं के कार्यों की प्रगति पर भी चर्चा हुई।

भिवंडी-चिंचोटी मार्ग की मरम्मत में करोड़ों का घोटाला!

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

कांग्रेस नेता पंकज गायकवाड़ ने की उच्च स्तरीय जांच की मांग

भिवंडी-चिंचोटी मार्ग की मरम्मत के नाम पर करोड़ों रुपये के घोटाले का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। ठाणे ग्रामीण कांग्रेस के महासचिव पंकज अशोक गायकवाड़ ने सार्वजनिक बांधकाम विभाग (PWD) और ठेकेदारों पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का आरोप लगाया है। उन्होंने ठाणे जिलाधिकारी और भ्रष्टाचार निर्मूलन समिति के जिला अध्यक्ष को लिखित शिकायत देकर इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। गायकवाड़ ने दावा किया कि पिछले कुछ वर्षों में करीब 40 करोड़ रुपये मरम्मत के नाम पर खर्च दिखाए गए, जबकि सड़क की हालत आज भी जर्जर बनी हुई है।

करोड़ों खर्च, फिर भी सड़क जस की तस

गायकवाड़ के अनुसार, दिसंबर 2023 में 23 करोड़, जुलाई 2024 में 31 करोड़ 65 लाख, वर्ष 2024-25 में 25 करोड़ 30 लाख, वर्ष 2023-24 में 70 लाख और 4 करोड़ 83 लाख रुपये तक मरम्मत कार्य के नाम पर खर्च दर्शाया गया है। इसके बावजूद सड़क जगह-जगह से टूटी हुई है, डामर उखड़ा हुआ है और गड्ढों से भरी पड़ी है। बरसात के दिनों में यह सड़क यात्रियों के लिए खतरा बन जाती है, जहां हादसे आम हो चुके हैं। गायकवाड़ का कहना है कि मरम्मत केवल कागजों पर दिखाई गई है और अधिकारियों व ठेकेदारों की मिलीभगत से फर्जी बिलों के जरिए सरकारी खजाने की लूट की गई है।

कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस करेगी जनआंदोलन

कांग्रेस नेता ने चेतावनी दी है कि अगर इस मामले में शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई और दोषियों पर सख्त कदम नहीं उठाया गया, तो ठाणे जिला अधिकारी कार्यालय के बाहर कांग्रेस जोरदार जनआंदोलन करेगी। इस खुलासे के बाद स्थानीय नागरिकों में भी आक्रोश फैल गया है। लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद सड़क की हालत देखकर लगता है कि "भ्रष्टाचार का डामर सड़कों से ज्यादा मजबूत हो गया है।" वहीं, इस मामले में जब सार्वजनिक बांधकाम विभाग, भिवंडी के अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। अब यह देखना बाकी है कि जांच में सच क्या सामने आता है—संगठित भ्रष्टाचार का जाल या सरकारी तंत्र की लापरवाही।

उद्धव ठाकरे और शरद पवार को झटका

आगामी बीएमसी चुनाव अकेले लड़ेगी कांग्रेस

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) चुनावों की घोषणा से पहले कांग्रेस ने उद्धव ठाकरे और शरद पवार को बड़ा झटका दिया है। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने नागपुर में ऐलान किया कि पार्टी आगामी बीएमसी चुनाव अकेले लड़ेगी।

'स्थानीय नेताओं की मांग पर लिया गया फैसला'

वडेट्टीवार ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, "हमारे स्थानीय नेताओं ने अकेले चलने की मांग की थी। इस बारे में हाईकमान से चर्चा की गई, और यह निर्णय लिया गया कि स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर फैसला लिया जाए। मुंबई स्तर पर यही निर्णय हुआ है कि कांग्रेस स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ेगी।"

महा विकास अघाड़ी में बढ़ी बेचैनी

कांग्रेस के इस कदम से महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। गठबंधन में कांग्रेस के साथ शिवसेना (यूबीटी) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) शामिल हैं। कांग्रेस के अकेले चुनाव लड़ने के फैसले को एमवीए के भीतर मतभेदों का संकेत माना जा रहा है।

उम्मीदवार चयन की तैयारी तेज

बीएमसी चुनाव की तारीखों की घोषणा भले ही न हुई हो, लेकिन मुंबई कांग्रेस ने तैयारी तेज कर दी है। पार्टी की मुंबई इकाई को अब तक 1150 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ के नेतृत्व में 227 वार्डों के लिए प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। प्रवक्ता सुरेशचंद्र राजहंस ने बताया कि सभी छह जिलों से उम्मीदवारों की प्रतिक्रिया जबरदस्त रही है और आरक्षण की घोषणा को देखते हुए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाई जा सकती है।

केईएम अस्पताल में असुविधा को लेकर भड़के मंत्री लोढ़ा

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका के परेल स्थित केईएम अस्पताल में सोमवार को कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल में फैली अव्यवस्था, लापरवाह प्रशासनिक कार्यप्रणाली और मरीजों को हो रही तकलीफों को देखकर मंत्री नाराज हो गए। उन्होंने अस्पताल की डीन डॉ. संगीता रावत से कड़ी पूछताछ की और मरीजों की स्थिति को लेकर फटकार लगाई। निरीक्षण के दौरान मंत्री लोढ़ा ने पाया कि अस्पताल में केवल पंजीकरण कराने के लिए मरीजों और उनके परिजनों को दो से तीन घंटे तक लाइन में खड़ा रहना पड़ता है। पुरानी इमारत दो मंजिला और नई इमारत 13 मंजिला होने के बावजूद लिफ्टें बार-बार खराब रहती हैं, जिसके कारण मरीजों के रिश्तेदारों को उन्हें उठाकर जांच के लिए ले जाना पड़ता है। दवाइयों की भी भारी कमी पाई गई।
मंत्री लोढ़ा ने अस्पताल प्रशासन को कड़ी चेतावनी दी कि यदि अगले सप्ताह तक मरीजों को समय पर और उचित उपचार नहीं मिला, तो संबंधित अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि बीएमसी अस्पतालों की दुर्दशा इस बात का प्रमाण है कि पिछले 25 वर्षों में सत्ता में रही शिवसेना (यूबीटी) ने भ्रष्टाचार और दलाली की जड़ें गहरी कर दी हैं, जिसका खामियाजा आज आम जनता भुगत रही है।
मरीजों और परिजनों ने मंत्री लोढ़ा को बताया कि एमआरआई, सीटी स्कैन, 2D इको और सोनोग्राफी जैसी जांचों के लिए अस्पताल में 3 से 6 महीने तक का इंतजार करना पड़ता है। एमआरआई टेस्ट की वेटिंग मार्च 2026 तक और सीटी स्कैन की जनवरी 2026 तक चल रही है। सोनोग्राफी की स्थिति भी यही है।

सातारा डॉक्टर आत्महत्या मामला

मुंबई युवा कांग्रेस का हल्लाबोल

200 से ज्यादा कार्यकर्ता हिरासत में

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

सतारा जिले में एक महिला डॉक्टर की आत्महत्या के मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच की मांग को लेकर मुंबई युवा कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सोमवार को जोरदार प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास 'वर्षा' की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

तीन स्थानों पर विरोध प्रदर्शन

विरोध प्रदर्शन नरीमन प्वाइंट, मरीन ड्राइव और मुख्यमंत्री आवास 'वर्षा' के बाहर तीन जगहों पर हुआ। इस आंदोलन का नेतृत्व मुंबई युवा कांग्रेस प्रमुख जीनत शबरीन, युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सचिन सावंत ने किया। सचिन सावंत ने कहा कि पार्टी डॉक्टर संपदा मुंडे की आत्महत्या मामले में निष्पक्ष जांच की मांग कर रही है और मृतक के परिवार को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष जारी रहेगा।

क्या है मामला?

यह मामला सतारा जिले से जुड़ा है, जहाँ बीड की रहने वाली 28 वर्षीय डॉक्टर 23 अक्टूबर को फलटण के एक होटल में मृत पाई गई थीं। उनकी हथेली पर लिखे 'सुसाइड नोट' में पुलिस उपनिरीक्षक गोपाल बदाने पर बलात्कार और सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बनकर पर मानसिक उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए गए थे। मामले में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और एसआई बदाने को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। कांग्रेस का कहना है कि न्याय सुनिश्चित करने के लिए इस पूरे प्रकरण की जांच एसआईटी के माध्यम से कराई जानी चाहिए।

864 बीडीडी चॉल निवासियों को आज मिलेगा घर

- बीडीडी चॉल पुनर्विकास का पहला चरण पूरा
- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस करेंगे चाबियों का वितरण

दीपक पवार | मुंबई

दक्षिण मुंबई के नायगांव स्थित बीडीडी चॉल पुनर्विकास परियोजना के पहले चरण का कार्य पूरा हो गया है। म्हाडा ने इस चरण में पांच नई इमारतों का निर्माण किया है, जिनमें कुल 864 फ्लैट हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बुधवार, 12 नवंबर को एक समारोह में रहिवासियों को इन घरों की चाबियां सौंपेंगे।

दिवाली तक कब्जा देने की थी योजना

म्हाडा ने पहले इन घरों का कब्जा दिवाली तक देने की योजना बनाई थी। लेकिन निवास प्रमाण पत्र की प्रक्रिया पूरी न होने और मुख्यमंत्री के समय न मिलने की वजह से वितरण में देरी हुई। अब मुख्यमंत्री के कार्यक्रम तय हो जाने के बाद, बुधवार को घरों का वितरण किया जाएगा।

एनएम जोशी मार्ग परियोजना भी अंतिम चरण में

म्हाडा की ओर से वर्ली, एनएम जोशी मार्ग और नायगांव बीडीडी चॉल का पुनर्विकास एक साथ चल रहा है। एनएम जोशी मार्ग स्थित बीडीडी चॉल पुनर्विकास के पहले चरण की तीन इमारतों का कार्य अब अंतिम चरण में है। यहां के 557 निवासियों को फरवरी 2026 के अंत तक 500 वर्ग फुट के नए घरों का कब्जा मिलने की संभावना है।

वर्ली में पूरे हुए 556 परिवारों के सपने

वर्ली बीडीडी चॉल में रहने वाले 556 परिवारों का 500 वर्ग फुट के नए घरों का सपना पूरा हो चुका है। वहीं एनएम जोशी मार्ग बीडीडी चॉल के रहिवासियों को फरवरी तक इंतजार करना पड़ेगा। इस परियोजना के पहले चरण में 1260 फ्लैट बनाए जा रहे हैं, जिनमें से 557 घर तैयार हैं और बाकी का कार्य तेजी से जारी है।

11 एकड़ में फैली एनएम जोशी मार्ग बीडीडी कॉलोनी

राज्य सरकार ने म्हाडा को इस परियोजना को गति देने के निर्देश दिए हैं ताकि निवासियों को जल्द से जल्द उनके नए घरों का कब्जा मिल सके। एनएम जोशी मार्ग बीडीडी कॉलोनी लगभग 11 एकड़ में फैली हुई है, जिसमें कुल 32 चॉलें और 2560 घर हैं। पुनर्विकास योजना के तहत सभी 2560 निवासियों का पुनर्वास किया जाएगा। पहले चरण में 16 इमारतों पर काम चल रहा है, जिनमें से तीन लगभग तैयार हैं।

वकील हत्या मामले में हाईकोर्ट ने 13 साल बाद सुनाया फैसला

सुरक्षा गार्ड की उम्रकैद की सजा बरकरार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को मुंबई की वकील पल्लवी पुरकायस्थ की हत्या के मामले में दोषी सुरक्षा गार्ड सज्जाद मुगल पठान की उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा। अदालत ने निचली अदालत के फैसले को सही ठहराते हुए आरोपी की अपील को खारिज कर दी। साथ ही महाराष्ट्र सरकार व पीड़िता के पिता द्वारा सजा बढ़ाने की मांग वाली अपील को भी खारिज कर दिया। जस्टिस एएस गडकरी और नीला गोखले की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि सेशन कोर्ट का फैसला पूरी तरह साक्ष्यों पर आधारित है। अदालत ने यह भी माना कि यह मामला रेयर ऑफ द रेयरेस्ट की श्रेणी में नहीं आता, इसलिए मौत की सजा देना उचित नहीं होगा। सज्जाद पठान को 2015 में मुंबई सत्र न्यायालय ने हत्या, छेड़छाड़ और आपराधिक घुसपैठ के आरोप में दोषी ठहराकर आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

क्या है प्रकरण?

पल्लवी पुरकायस्थ दिल्ली स्थित एक आईएएस अधिकारी की बेटी थी। वो मुंबई में अभिनेता-निर्देशक फरहान अख्तर की कंपनी एक्सेल एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड में लीगल एडवाइजर के रूप में काम करती थी। वह अपने पार्टनर अविक सेनगुप्ता के साथ वडाला स्थित फ्लैट में किराए पर रहती थी। 9 अगस्त 2012 की सुबह अविक ने घर लौटकर देखा कि पल्लवी का शव खून से सना हुआ था। जांच में पता चला कि आरोपी सज्जाद पठान उसी इमारत में सुरक्षा गार्ड था। उसीने बिजली काटकर घर में घुसने की योजना बनाई थी।

फरारी और गिरफ्तारी

घटना के अगले दिन मुंबई पुलिस ने आरोपी को मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया, जब वह सूरत होते हुए जम्मू-कश्मीर भागने की योजना बना रहा था। फरवरी 2016 में नासिक जेल से पैरोल पर रिहा होने के बाद वह वापस नहीं लौटा, लेकिन 2023 में पुलिस ने उसे फिर से गिरफ्तार कर लिया। हाईकोर्ट ने अब सत्र न्यायालय के निर्णय को बरकरार रखते हुए कहा कि न्याय की दृष्टि से यह सजा पर्याप्त है और आरोपी के अपराध की गंभीरता को देखते हुए उसे किसी राहत का पात्र नहीं ठहराया जा सकता।

कैसे हुई हत्या?

पुलिस के अनुसार, हत्या से पहले पठान ने जानबूझकर पल्लवी के फ्लैट की बिजली काट दी थी ताकि वह मरम्मत के बहाने घर की चाबी हासिल कर सके। 8 और 9 अगस्त की रात को उसने उसी चाबी से घर में घुसकर पल्लवी से छेड़छाड़ की कोशिश की। जब पल्लवी ने विरोध किया और भागने की कोशिश की तो उसने वहीं गला काटकर उसकी हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया।

दो जगहों पर लगी आग

बाल-बाल बचे लोग

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

सोमवार को मुंबई में दो अलग-अलग जगहों पर आग लगने की घटनाओं से हड़कंप मच गया। राहत की बात यह रही कि किसी की जान नहीं गई, हालांकि दोनों जगहों पर लाखों रुपये की संपत्ति जलकर खाक हो गई।

पहली घटना: मेमोनवाडा में कपड़े की दुकान में लगी आग

पहली घटना दक्षिण मुंबई के मेमोनवाडा क्षेत्र की है, जहां चकाला मार्ग पर स्थित एक कपड़े की दुकान में आग लग गई। बीएमसी के अनुसार, आग दुकान में रखे कपड़ों और अन्य सामान तक ही सीमित रही। सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

दूसरी घटना: चेंबूर के कॉरपोरेट पार्क में भीषण आग

दूसरी घटना चेंबूर इलाके की है, जहां सोमवार तड़के सायन-ट्रॉम्बे रोड स्थित दो मंजिला व्यावसायिक इमारत में आग लग गई। बताया गया कि आग इमारत की दूसरी मंजिल पर स्थित थॉमस कुक के कार्यालय में भड़की थी। दमकल विभाग की आठ गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। दमकल विभाग ने बताया कि आग बिजली के तारों, फर्नीचर और कार्यालय के अन्य सामानों तक सीमित रही। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है और जांच जारी है।

मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल

म्हाडा MHADA

(महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण की एक क्षेत्रीय इकाई)

दूरभाष: 022-66405432 | ई-मेल: eewest.msib@mhada.gov.in

संदर्भ क्रमांक: EE/West/MSIB/e-Tender/201/2025-26

ई-निविदा सूचना क्र. 201

कार्यकारी अभियंता (पश्चिम विभाग), मुंबई स्लम सुधार मंडल (म्हाडा की इकाई), कक्ष क्रमांक 537, चौथी मंजिल, गृह निर्माण भवन, बांद्रा (पूर्व), मुंबई – 400051, दूरभाष क्रमांक (022) 66405432, एक कार्य के लिए खुली / नियमित ई-निविदा (B1 – प्रतिशत दर पद्धति) आमंत्रित करते हैं। यह निविदा ऐसे ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है जो PWD / MHADA / CPWD / CIDCO / MES / MJP / MIDC / Indian Railway / BPT / MCGM या किसी अन्य सरकारी / अर्ध-सरकारी संस्था में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत हैं। विस्तृत निविदा दस्तावेज महाराष्ट्र सरकार की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं: https://mahatenders.gov.in निविदा दस्तावेज वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं और ऑनलाइन अपलोड किए जा सकते हैं।

क्र.	चरण विवरण	समय अवधि की तिथि	क्र.	चरण विवरण	समय अवधि की तिथि
1)	दस्तावेजों की बिक्री प्रारंभ	14/11/2025 सुबह 10:30 बजे	2)	दस्तावेजों की बिक्री समाप्ति	18/11/2025 दोपहर 3:30 बजे
3)	तकनीकी बोली खोलना	21/11/2025 दोपहर 3:00 बजे	4)	मूल्य बोली खुलने की तिथि	24/11/2025 दोपहर 3:05 बजे से आगे
5)	वित्तीय निविदा (Price Bid) खुलना	25/11/2025 सुबह 10:30 बजे से आगे			

सक्षम प्राधिकारी बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। सशर्त प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएँगे।
नोट: 1 कृपया वेबसाइट पर विस्तृत निविदा सूचना देखें।
नोट: 2 यदि कोई शुद्धिपत्र/संशोधन हो, तो उसे केवल वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जा सकता है।

Follow us: @mhadaofficial

सीपीआरओ/ए/918

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता (पश्चिम),
एम.एस.आई.बी. बोर्ड, मुंबई

म्हाडा-राष्ट्र में अग्रणी आवास प्राधिकरण

देश के बड़े हवाईअड्डों पर पुराने सिस्टम बदलने की मांग

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

देश के हवाई अड्डों पर उड़ानों की सुरक्षा और संचालन संभालने वाले सिस्टम को आधुनिक बनाने की मांग तेज हो गई है। एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरों के संगठन एयर ट्रैफिक सेफ्टी इलेक्ट्रॉनिक्स पर्सनल एसोसिएशन (एटीएसईपीए) ने सरकार से कहा है कि अब कम्युनिकेशन, नेविगेशन और सर्विलांस (सीएनएस) सिस्टम को तुरंत अपग्रेड किया जाए। यह मांग ऐसे वक्त में आई है जब दिल्ली एयरपोर्ट पर पिछले हफ्ते तकनीकी खराबी के कारण सैकड़ों उड़ानें प्रभावित हुईं।

पुराने सिस्टम बने परेशानी की जड़

एटीएसईपीए ने नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू को भेजे ईमेल में कहा कि इंजीनियरों के कई बार चेतावनी देने और प्रस्ताव देने के बावजूद सीएनएस सिस्टम के अपग्रेडेशन, बैकअप सिस्टम (रेडंडेंसी) और प्रशिक्षित तकनीकी स्टाफ की सही तैनाती को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई गई। संगठन के अधिकारी योगेन्द्र गौतम ने कहा कि दिल्ली एयरपोर्ट पर हाल की गड़बड़ी ने एक बार फिर दिखा दिया है कि सीएनएस ढांचे की लगातार उपेक्षा की जा रही है। इंजीनियरों की तरफ से दिए गए तकनीकी सुझावों को भी एएआई नेतृत्व की तरफ से नजरअंदाज किया गया।

'पुराने ऑटोमेशन सिस्टम पर निर्भरता खतरनाक'

एसोसिएशन ने कहा कि एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) के अधिकारी अब ऑटोमेशन पर बहुत ज़्यादा निर्भर हो गए हैं। जब सिस्टम फेल होता है, तो मैनुअल (हाथ से) काम करने से बचते हैं या उसे ठीक से लागू नहीं कर पाते, जिससे गलतियां और देरी होती है। दिल्ली एयरपोर्ट की समस्या भी पुराने स्वचालित संदेश स्विचिंग प्रणाली (एएमएसएस) के कारण हुई, जिसमें रेडंडेंसी यानी बैकअप सिस्टम की सुविधा नहीं थी।

इंजीनियरों की तैनाती पर सवाल

एटीएसईपीए ने आरोप लगाया कि एएआई में कई प्रशिक्षित सीएनएस इंजीनियरों को गैर-तकनीकी कामों में लगा दिया गया है, जबकि जरूरी एयरपोर्ट्स पर स्टाफ की कमी है। संगठन का कहना है कि यदि देश को आधुनिक एविएशन सिस्टम चाहिए, तो इंजीनियरों को केवल तकनीकी कामों में लगाया जाए, उनकी सलाह को उपकरण खरीद और योजना बनाते वक्त शामिल किया जाए और वैश्विक स्तर के प्रशिक्षणदिए जाएं।

7 नवंबर को फेल हुआ था सिस्टम

7 नवंबर को दिल्ली एयरपोर्ट पर स्वचालित संदेश स्विचिंग प्रणाली (एएमएसएस) में तकनीकी दिक्कत आने से उड़ानों में भारी देरी हुई। इसकी वजह से करीब 800 उड़ानें देरी से चलीं और 46 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। यह सिस्टम इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) की तरफ से बनाया गया है। मंत्रालय के मुताबिक, ईसीआईएल इंजीनियरों, एटीसी स्टाफ और मंत्रालय के अधिकारियों की मदद से 8 नवंबर की दोपहर तक सिस्टम पूरी तरह बहाल कर दिया गया।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

वृक्ष प्राधिकरण

सार्वजनिक सूचना

महाराष्ट्र (नगरीय क्षेत्र) वृक्ष संरक्षण और संवर्धन अधिनियम, 1975 (24 जून 2021 तक संशोधित) की धारा 8(3)(क) के अंतर्गत, **परिमंडल-4** के **के/पश्चिम** विभाग में विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न करने वाले वृक्षों की कटाई से संबंधित **04** प्रस्ताव मा. महानगरपालिका आयुक्त, अध्यक्ष – **वृक्ष प्राधिकरण / बीएमसी वृक्ष** प्राधिकरण समिति की मंजूरी हेतु प्राप्त हुए हैं।

इन प्रस्तावों में जिन वृक्षों को काटने या पुनःरोपण (Replantation) करने का उल्लेख है, उनका विवरण बृहन्मुंबई महानगरपालिका की वेबसाइट www.mcgm.gov.in पर उपलब्ध है। पथःएमसीजीएम के बारे में विभाग उद्यान एवं वृक्ष प्राधिकरण दस्तावेज़ **नोटिस 7 दिन - TA - WS - ZIV- 94"**

यदि उपरोक्त प्रस्तावों के संबंध में कोई आपत्ति या सुझाव हो, तो यह सूचना प्रकाशित होने की तिथि से 7 दिनों के भीतर निर्धारित प्रारूप (Prescribed Format) में उद्यान अधीक्षक व वृक्ष अधिकारी के कार्यालय में लिखित रूप से जमा कर सकते हैं। आप अपनी आपत्ति / सुझाव ई-मेल द्वारा भी भेज सकते हैं - dysg.ta@mcgm.gov.in निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आपत्तियों / सुझावों पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि आपने ई-मेल या लिखित रूप में आपत्ति भेजी है, तो आप उसकी प्रति लेकर व्यक्तिगत रूप से सुनवाई में उपस्थित भी हो सकते हैं। इन आपत्तियों / सुझावों की सुनवाई दिनांक 19/11/2025 को उद्यान अधीक्षक व वृक्ष अधिकारी के कार्यालय में दोपहर 4:30 से 5:00 बजे तक आयोजित की जाएगी।

उद्यान अधीक्षक का कार्यालय
पेंग्विन इमारत, द्वितीय मंज़िल, वीरमाता जिजाबाई भोसले
उद्यान, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मार्ग,
भायखला (पूर्व), मुंबई – 400 027
दूरभाष: 022-23742162
ईमेल: dysg.ta@mcgm.gov.in

पीआरओ/2160/विज्ञा./2025-26

हस्ता/-
उद्यान अधीक्षक व वृक्ष अधिकारी

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

संपादकीय

जलवायु परिवर्तन का कहर

पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन का मानवीय जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का शोर तो लंबे समय से सुनाई दे रहा है, लेकिन इसकी घातकता का अंदाजा कुछ समय पहले प्रकाशित प्रमाणिक वैश्विक सर्वेक्षण से सामने आया है। सर्वे बताता है कि भारत में पिछले साल बीस दिन लू का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन कारकों से अधिक गर्म हवाएं चलीं। यह भी कि वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के चलते 247 अरब घंटों का नुकसान हुआ, जिसके चलते श्रम क्षमता में कमी आने से 194 अरब डॉलर का नुकसान देखा गया। 'द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025' रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल जलवायु परिवर्तन के कारकों से कृषि क्षेत्र में 66 फीसदी और निर्माण क्षेत्र में बीस फीसदी का नुकसान हुआ। यह रिपोर्ट इशारा करती है कि अत्यधिक गर्मी के कारण श्रम क्षमता में कमी के कारण 194 अरब डॉलर की संभावित आय का नुकसान हुआ। उल्लेखनीय है कि यह रिपोर्ट विश्व के 71 शैक्षणिक संस्थानों और संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के 128 अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने तैयार की, जिसका कुशल नेतृत्व यूनिवर्सिटी कालेज लंदन ने किया। इस रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य के बीच संबंधों का अब तक सबसे व्यापक आकलन किया गया है। रिपोर्ट बताती है कि जीवाश्म ईंधनों पर अत्यधिक निर्भरता और जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूलन की विफलता से लाखों लोगों की जिंदगियां, स्वास्थ्य और आजीविका खतरे में हैं। रिपोर्ट के अनुसार स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को मापने वाले 20 में से बारह संकेतक अब तक के सबसे उच्चतम स्तर तक जा पहुंचे हैं। रिपोर्ट बताती है कि साल 2020 से 2024 के बीच भारत में औसतन हर साल दस हजार मौतें जंगल की आग से उत्पन्न पीएम 2.5 प्रदूषण से जुड़ी थीं। चिंता की बात यह है कि यह वृद्धि 2003 से 2012 की तुलना में 28 फीसदी अधिक है, जो हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। विडंबना यह है कि 'द लांसेट' की रिपोर्ट में सामने आए गंभीर तथ्यों के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस संकट से मिलकर जूझने की ईमानदार कोशिश होती नजर नहीं आती। यह निर्विवाद तथ्य है कि दुनिया के विकसित देश अपनी जिम्मेदारी से लगातार बचने के प्रयास कर रहे हैं। खासकर हाल के वर्षों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन को लेकर जो गैरजिम्मेदाराना रवैया अख्तियार किया है, उससे नहीं लगता कि वैश्विक स्तर पर इस संकट से निपटने की कोई गंभीर साझा पहल निकट भविष्य में सिरे चढ़ेगी। विकसित देश इस दिशा में मानक पेरिस समझौते की संस्तुतियों को नजरअंदाज करते नजर आते हैं। वे विकास के तमाम संसाधनों का निर्मम दोहन करने के बाद अपनी गरीब आबादी को को गरीबी के दलदल से बाहर निकालने में जुटे विकसित देशों पर जलवायु परिवर्तन से बचाव के उपायों को लागू करने के लिये लगातार दबाव बना रहे हैं। 'द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025' रिपोर्ट के अनुसार, मानवजनित पीएम-2.5 प्रदूषण भारत में 2022 के दौरान 17 लाख मौतों के लिए जिम्मेदार था। इसमें कोयला और तरल गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों से होने वाले उत्सर्जन का 44 फीसदी योगदान था। इसके साथ ही सड़क परिवहन में पेट्रोल के उपयोग से पैदा प्रदूषण से करीब 2.69 लाख मौतें हुईं। रिपोर्ट में दर्शाई गई सबसे बड़ी चिंता श्रम के घंटों के नुकसान और कृषि क्षेत्र में 66 फीसदी नुकसान का होना है। यह संकट जहां बड़े विस्थापन को जन्म दे सकता है, वहीं हमारी खाद्य श्रृंखला संकटग्रस्त हो सकती है, जिसके लिए देश में जलवायु परिवर्तन के अनुकूल फसलों की किस्मों की खोज जरूरी हो जाती है। यदि हम ऐसा कर पाते हैं तो फसलों पर जलवायु परिवर्तन प्रभावों को कम किया जा सकता है।

शख्सियत | मौलाना अबुल कलाम आज़ाद

भारतीय स्वतंत्रता कार्यकर्ता और पहले शिक्षामंत्री

अबुल कलाम गुलाम मुहिउद्दीन अहमद बिन खैरुद्दीन अल-हुसैनी आजाद एक भारतीय स्वतंत्रता कार्यकर्ता, इस्लामी धर्मशास्त्री, लेखक और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे। भारत की स्वतंत्रता के बाद, वह भारत सरकार में पहले शिक्षा मंत्री बने। उन्हें आमतौर पर मौलाना आज़ाद के रूप में याद किया जाता है। उन्होंने आज़ाद (स्वतंत्र) को अपने उपनाम के रूप में अपनाया था। भारत में शिक्षा फाउंडेशन की स्थापना में उनके योगदान के कारण भारत में उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मान्यता दी गई है।

आज़ाद का जन्म 11 नवंबर 1888 को मक्का में हुआ था। उनका असली नाम सैय्यद गुलाम मुहिउद्दीन अहमद बिन खैरुद्दीन अल हुसैनी था, लेकिन अंततः उन्हें मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के नाम से जाना जाने लगा। आज़ाद के पिता अफ़ग़ान वंश के एक मुस्लिम विद्वान थे। 1857 के भारतीय विद्रोह के दौरान, उन्होंने भारत छोड़ दिया और मक्का में बस गये। आज़ाद ने उर्दू में कविता लिखी, साथ ही धर्म और दर्शन पर ग्रंथ भी लिखे। वह एक पत्रकार के रूप में ब्रिटिश राज की आलोचना करने वाले कार्यों को प्रकाशित करते थे। आज़ाद ख़िलाफ़त आंदोलन के नेता बने, जिसके दौरान वे भारतीय नेता महात्मा गांधी के निकट संपर्क में आये। 1919 रोलेट अधिनियम के विरोध में असहयोग आंदोलन को संगठित करने के लिए काम किया। आज़ाद ने स्वदेशी (स्वदेशी) उत्पादों को बढ़ावा देने के प्रति खुद को प्रतिबद्ध किया।
अक्टूबर 1920 में, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद को अमेरिका के अलीगढ़ में जामिया मिलिया इस्लामिया की स्थापना के लिए फाउंडेशन कमेटी के सदस्य के रूप में चुना गया था। उन्होंने 1934 में विश्वविद्यालय के परिसर को अलीगढ़ से नई दिल्ली स्थानांतरित करने में सहायता की। विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर का नाम उनके नाम पर रखा गया है। उन्होंने प्रमुखता से हिंदू-मुस्लिम एकता के साथ-साथ धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद का समर्थन किया। उन्होंने 1940 से 1945 तक कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, जिसके दौरान भारत छोड़ो विद्रोह शुरू किया गया था। आज़ाद को पूरे कांग्रेस नेतृत्व सहित जेल में डाल दिया गया। भारत के विभाजन के बाद सांप्रदायिक अशांति के बीच, उन्होंने धार्मिक सद्भाव के लिए काम किया। भारत के शिक्षा मंत्री के रूप में, आज़ाद ने मुफ़्त प्राथमिक शिक्षा और उच्च शिक्षा के आधुनिक संस्थानों के साथ एक राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली की स्थापना का निरीक्षण किया। 22 फरवरी 1958 को दिल्ली में उनका निधन हो गया।

महिला मतदाताओं पर सियासी दांव-पेंच

बिहार चुनाव में महिला मतदाताओं का प्रभाव अहम है, और इसे ध्यान में रखते हुए एनडीए और महागठबंधन ने कई वादे किए हैं। हालांकि, महिला प्रत्याशियों को टिकट देने में दोनों गठबंधनों का रुझान कम था, बावजूद इसके महिलाओं के कल्याण के लिए योजनाओं का जोरदार प्रचार किया गया।

बिहार के चुनाव में महिला मतदाताओं पर प्रभाव बनाने के लिए एनडीए और महागठबंधन दोनों ने पूरी कोशिश की है। दोनों ही गठबंधन ने महिला मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए वादों का पिटारा खोल दिया है। हालांकि, एनडीए या महागठबंधन ने जिस स्तर पर महिलाओं के सामने उनके विकास और सुरक्षा को लेकर दावे किए हैं उस स्तर पर महिलाओं को बढ़-चढ़कर टिकट नहीं मिल पाए हैं। बिहार में महिला मतदाताओं का सीएम नीतीश कुमार पर प्रभाव रहा है। जेडीयू को अलग-अलग समय में जीत हसिल कराने में महिला मतदाताओं का काफी योगदान रहा है। अब आरजेडी के नेता कोशिश कर रहे हैं कि नीतीश के इस प्रभाव को कम किया जाए। तेजस्वी ने भी महिलाओं को लुभाने के लिए कई वादे कर दिए हैं।

बिहार में सात करोड़ 90 लाख मतदाताओं में तीन करोड़ 50 लाख से ज्यादा महिला मतदाता हैं, लेकिन 243 सीटों में से केवल 65 महिला प्रत्याशियों को टिकट दिए हैं। महागठबंधन ने आरजेडी से 23 और कांग्रेस ने पांच महिलाओं को टिकट दिया है। सीपीआई माले ने 20 प्रत्याशियों में केवल एक महिला को टिकट दिया है। सीपीआई सीपीएम की झोली से एक भी टिकट नहीं निकला। वीआईपी ने भी एक महिला को टिकट दिया। इसी तरह एनडीए में भी जेडीयू और बीजेपी ने 13-13 महिलाओं को टिकट दिया। जबकि सहयोगी संगठनों में एलजेपी आरएलएम और हम के जरिए आठ टिकट महिलाओं को मिले। इनमें भी हम के दो महिला प्रत्याशी जीतनराम मांझी के परिवार की ही हैं। महिलाओं के लिए वादों में उत्साह जरूर था, लेकिन टिकट देने में रुझान कम दिखा। बिहार में नीतीश को सत्ता दिलाने में महिला मतदाताओं का बड़ा योगदान रहा है। वर्ष 2015 में शराबबंदी और सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए आरक्षण का फार्मूला काम आया। इससे पहले 2009 में नीतीश ने स्कूल जाने वाली लड़कियों के लिए साइकिल उपलब्ध कराई थी। वर्ष 2020 में जीविका योजना पर फोकस किया। लेकिन हर चुनाव में नीतीश की जीत में महिलाओं के वोट का खासा योगदान था। नीतीश कुमार के शासन में महिलाओं के कल्याण को लेकर कई योजनाएं चलती रहीं। लेकिन चुनाव से ठीक पहले नीतीश ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना शुरू करके मास्टर स्ट्रोक खेलने की कोशिश की। इसके जरिए लगभग एक करोड़ बीस लाख से ज्यादा महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपये देने के अलावा कई डायरेक्ट कैश ट्रांसफर करने का ऐलान किया गया। यही नहीं आंगनबाड़ी सेविकाओं और रसोइयों का मानदेय भी बढ़ाया गया। महिलाओं को रोजगार के लिए दस दस हजार रुपये की सहायता में नीतीश सरकार ने महिलाओं को साथ जोड़ने की कोशिश की है। पेंशन योजना और दूसरी कई योजनाओं से नीतीश सरकार ने जहां अपने स्तर पर राज्य की महिलाओं को साधने की कोशिश की है वहीं केंद्र के स्तर पर केंद्र सरकार ने जनधन योजना, मुफ्त गैस जैसी योजनाओं के सहारे यह साबित करने की कोशिश की है कि एनडीए महिलाओं के उन्नति और आत्मनिर्भरता के लिए कदम बढ़ाती है। मुफ्त अनाज योजना खासकर महिलाओं की रसोई का बड़ा आधार बना है। एनडीए ने जिस तरह आरजेडी को जंगल राज के बहाने घेरने की कोशिश की है उसके पीछे महिलाओं को सुरक्षा का भाव देने की नीति है। पीएम मोदी ने अपनी सभाओं में इस बात पर जोर दिया है कि नीतीश के शासन में बिहार में कानून का राज है।

दरअसल, नीतीश जब पहली बार मुख्यमंत्री बने तो उन्हें अहसास था कि केवल अपनी जाति के सहारे वह आगे नहीं बढ़ सकते। इसलिए उन्होंने पिछड़ों अति पिछड़ों के साथ-साथ महिलाओं को एक प्रभावी समूह के रूप में देखा। इससे लव-कुश यानी कुर्मी-कोइरी के साथ-साथ महिलाओं का बड़े स्तर पर उन्हें समर्थन मिला। इसी आधार पर नीतीश ने फिर अपनी बिसात 2025 के इन चुनावों के लिए बिछाई है। इसलिए नीतीश की नीतियों में इसका खासा जोर दिखता है। दूसरी तरफ महागठबंधन में आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की सियासी बिसात में मुस्लिम यादव का प्रभाव उन्हें एक प्रभावी राजनेता तो बनाता है लेकिन चुनाव जीतने के लिए इससे आगे भी वोट समीकरण की जरूरत होती है। 90 के दशक में जब लालू यादव अपने सियासत के चरम पर थे तब उन्हें पिछड़ा अति पिछड़ा दलित और मुस्लिमों का समर्थन प्राप्त था। लेकिन यह समीकरण सिमटता गया। आरजेडी का प्रभाव यादव और मुस्लिमों तक सिमट कर रहा गया। जिस तरह 2020 के चुनाव में मतों का बहुत मामूली फर्क एनडीए और महागठबंधन के बीच था उसे देखते हुए आरजेडी ने महसूस किया है कि उसे एनडीए के कुछ प्रभावी समूहों पर सेंध लगानी पड़ेगी। इसी दिशा में तेजस्वी ने अपने प्रचार की मुहिम को रखा है। उन्होंने महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने का वादा किया। तेजस्वी ने मां-बेटी योजना के तहत अपनी योजनाओं को मतदाताओं के सामने रखा। आरजेडी नेता ने एनडीए के प्रभाव को सीमित करने के लिये जीविका दीदियों को पांच साल में डेढ़ लाख रुपये देने का वादा किया है।

जीवन मंत्र

आत्मा का स्वभाव होता है बाहर की तरफ़ देना

जब देने और पाने की यह दो विपरीत धाराएँ टकराती हैं, तो भीतर द्वंद्व और बेचैनी उत्पन्न होती है। व्यक्ति कभी त्याग करना चाहता है, तो कभी सम्मान की आकांक्षा उसे घेर लेती है। इस द्वंद्व से मनुष्य की चेतना जटिल हो जाती है—वह न पूरी तरह संसार में रह पाता है, न पूरी तरह आत्मिक शांति में।

यह वाक्य जीवन के गहरे आध्यात्मिक सत्य को उजागर करता है। अहं और आत्मा—दोनों मनुष्य के भीतर विद्यमान शक्तियाँ हैं, लेकिन इनका स्वभाव एक-दूसरे से बिल्कुल भिन्न होता है। अहं (अहंकार) का स्वभाव है अपनी ओर खींचना, सब कुछ अपने लिए रखना, स्वयं को केंद्र में रखना। यह "मैं" और "मेरा" के दायरे में बंधा रहता है। अहंकार चाहता है कि सारी दुनिया उसके चारों ओर घूमे—मान-सम्मान, अधिकार, प्रशंसा, सुख-सुविधा—सब कुछ अपने नियंत्रण में रहे। यह भीतर एक तरह का स्वार्थ और सीमितता पैदा करता है, जो मनुष्य को बाहरी उपलब्धियों का तो आकांक्षी बनाता है, लेकिन भीतर से असंतुष्ट रखता है।

इसके विपरीत, आत्मा का स्वभाव देने का है। आत्मा विस्तार चाहती है, प्रेम चाहती है, सेवा और समर्प ण में आनंद पाती है। आत्मा तब तृप्त होती है जब वह किसी को कुछ दे सके—चाहे वह स्नेह हो, करुणा हो, या ज्ञान। उसका स्वभाव उदारता और समरसता में निहित है। जब आत्मा का भाव जागृत होता है, तब व्यक्ति स्वयं को दूसरों में देखता है, वह

सीमाओं से परे हो जाता है। इसीलिए संत और ज्ञानी लोग त्याग और प्रेम में आनंद पाते हैं, क्योंकि वे आत्मा के क्षेत्र में जी रहे होते हैं, न कि अहं के बंधन में।

लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब अहं और आत्मा एक साथ सक्रिय हो जाते हैं। एक भीतर से कहता है—"मुझे दो, मैं चाहता हूँ", और दूसरा कहता है—"ले लो, मैं देना चाहता हूँ।" यही विरोधाभास मनुष्य के जीवन में संघर्ष पैदा करता है। जब देने और पाने की यह दो विपरीत धाराएँ टकराती हैं, तो भीतर द्वंद्व और बेचैनी उत्पन्न होती है। व्यक्ति कभी त्याग करना चाहता है, तो कभी सम्मान की आकांक्षा उसे घेर लेती है। इस द्वंद्व से मनुष्य की चेतना जटिल हो जाती है—वह न पूरी तरह संसार में रह पाता है, न पूरी तरह आत्मिक शांति में।

अहं की पकड़ इतनी सूक्ष्म होती है कि वह आत्मा के कार्यों में भी प्रवेश कर जाती है। व्यक्ति सेवा करता है, लेकिन उसके पीछे मान्यता पाने की इच्छा छिपी होती है; वह भक्ति करता है, लेकिन उसमें भी "मैं भक्त हूँ" का गर्व छिपा रहता है। यही वह स्थिति है जिसे "भयंकर जटिलता" कहा गया है—जहाँ अहं और आत्मा का मिलन हो तो जाता है, लेकिन संतुलन नहीं बन पाता। अहं अपने हित में आत्मा की शक्ति का उपयोग करता है, और व्यक्ति भ्रम में पड़ जाता है कि वह आध्यात्मिक बन रहा है, जबकि भीतर उसका अहं ही पोषित हो रहा होता है।

जीवन ऊर्जा

लियोनार्डो विल्हेम : जन्म 11 नवंबर, 1974 | जन्म

सही कनेक्शन आपके जीवन को रोशन कर देगा

लियोनार्डो विल्हेम एक अमेरिकी अभिनेता और फिल्म निर्माता हैं। उनका जन्म का जन्म 11 नवंबर, 1974 को हुआ था। वह बायोग्राफिकल और पीरियड फिल्मों में अपने काम के लिए जाने जाने वाले, उन्हें एक अकादमी पुरस्कार, एक ब्रिटिश अकादमी फिल्म पुरस्कार और तीन गोल्डन ग्लोब पुरस्कार सहित कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। उन्हें दुनिया के सबसे अधिक भुगतान पाने वाले अभिनेताओं की वार्षिक रैंकिंग में आठ बार रखा गया है।

प्यार में विश्वास करना, उसके लिए कुछ भी छोड़ने को तैयार रहना, उसके लिए अपनी जान जोखिम में डालने को तैयार रहना, सबसे बड़ी त्रासदी है। कठिन समय के लिए आभारी रहें, क्योंकि उन्होंने आपको बनाया है। यदि आप वह कर सकते हैं जो आप सबसे अच्छा करते हैं और खुश रहते हैं, तो आप अधिकांश लोगों की तुलना में जीवन में आगे हैं। हर कोई किसी न किसी चीज़ से गुज़रा है जिसने उन्हें इस तरह से बदल दिया है कि वे कभी भी उस व्यक्ति के पास वापस नहीं जा सकते जो वे एक बार थे। केवल आप और आप ही अपनी स्थिति बदल सकते हैं। इसका दोष किसी भी चीज़ या

किसी पर मत डालो। स्कूल, मुझे वास्तव में कभी इसकी आदत नहीं पड़ी। मैं उन चीज़ों पर कभी ध्यान केंद्रित नहीं कर सका जिन्हें मैं सीखना नहीं चाहता था। गलत कनेक्शन आपको जीवन भर सदमा देगा, लेकिन सही कनेक्शन आपके जीवन को रोशन कर देगा। उन लोगों पर ध्यान दें जो आपके जीतने पर ताली नहीं बजाते। पूरे इतिहास में किसी भी जाति या धर्म की तुलना में महिलाएं सबसे अधिक सताई गई हैं। हमारे समय के सबसे महत्वपूर्ण पर्यावरणीय मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। मेरे जीवन में जो कुछ भी हुआ है, उसे ध्यान में रखते हुए, मुझे ऐसा लगता है कि मैं एक बहुत ही शांत स्वभाव का व्यक्ति हूं जो खुश रहता है और अपनी कमियों को अपने बेहतर हिस्से पर हावी नहीं होने देता। मैं उन चीज़ों को पूरा कर रहा हूं जिन्हें मैं पूरा करना चाहता था, और मैं अभी भी स्वस्थ हूं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

कलियुग में भगवान का स्मरण सर्वोत्तम साधना है

प्रत्येक युग की साधना निश्चित है, जैसे सत्ययुग के लिए ज्ञानयोग, त्रेतायुग के लिए ध्यानयोग, द्वापरयुग के लिए यज्ञ, कर्मकांड, पूजा-अर्चना; कलियुग के लिए नामजप। कलियुग में भगवान की प्राप्ति का सबसे सरल किंतु प्रबल साधन नामजप ही बताया गया है। श्रीमद्भागवत का कथन है यद्यपि कलियुग दोषों का भंडार है, तथापि इसमें एक बहुत बड़ा सद्गुण यह है कि सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुगपहले के इन युगों में भगवान के ध्यान द्वारा, यज्ञ-अनुष्ठान के द्वारा तथा पूजा-अर्चना से जो फल मिलता था वह पुण्यफल कलियुग में केवल श्रीहरि के नाम संकीर्तन से ही प्राप्त हो जाता है। कृष्ण जुर्वेदी यिसंतरणोपनिषद में लिखा है कि द्वापरयुग के अंत में जब देवर्षि नारद ने ब्रह्माजी से कलियुग में कलि के प्रभाव से मुक्त होने का उपाय पूछा, तब सृष्टिकर्ता ने कहा आदिपुरुष भगवान नारायण के नामोच्चारण से मनुष्य कलियुग के दोषों को नष्ट कर सकता है। भगवान चैतन्य महाप्रभु ने कहा है कि कलियुग में केवल हरिनाम ही हमारा उद्धार कर सकता है। यही बात नानक देव जी ने भी कही है "नानक दुखिया सब संसार, ओही सुखिया जो नामाधार।" रामचरितमानस में भी यही लिखा हैकलियुग केवल नाम आधारा, सुमिरि-सुमिरि नर उतरहीं पारा॥ ध्यानयोग के अनुसार ध्यान करने के लिए आज शहरों के रजतमात्मक वातावरण में शांत तथा प्रसन्न वातावरण उपलब्ध होना कठिन है। आज टीवी, मोबाइल तथा लैपटॉप आदि साधनों से आधा घंटा भी दूर रहना संभव नहीं होता है। ऐसी

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

स्थिति में घंटों ध्यान-साधना और आगे समाधि की स्थिति कैसे अनुभव कर सकते हैं? एक ही स्थान पर एकांत में लंबे समय तक बैठने की आज मनुष्य में क्षमता नहीं है। ध्यान के अभ्यास के प्रारंभ में मन की जो स्थिरता आवश्यक होती है, वह आज संभव नहीं है। मन सतत विचारों से ग्रस्त रहता है। अच्छे ध्यान के लिए सदाचार, सद्विचार, यम-नियम और सात्विक भोजन का पालन करना भी आज कठिन है। यद्यपि किसी एक मनुष्य को, उसके पिछले जन्म के ध्यानयोगानुसार साधना के संस्कारों के कारण ध्यान संभव होगा, तो भी यह साधना आज के युग में सभी के लिए संभव नहीं है। इस कारण शास्त्रों के आधार पर हमें हमारा साधना मार्ग सुनिश्चित करना आवश्यक है। हिन्दू धर्म की विशेषता है कि ऋषि-मुनियों ने मानवजाति के कल्याण हेतु शास्त्रों में युगानुसार हमें कौन सी साधना करनी चाहिएयह स्वयं लिखकर रखा है। हमें मात्र उनके बताए गए ज्ञान का उपयोग कर आचरण करना है। इस कारण हम अपने मनानुसार साधना करने की अपेक्षा धर्मशास्त्र के अनुसार साधना करें, तो निश्चित ही हमें अधिक लाभ हो सकता है।

अपने विचार

हमें राष्ट्रीय एकता और अखंडता को कमजोर करने वाले कारकों की पहचान करनी होगी. हमें उनका प्रभावी ढंग से मुकाबला करना होगा ताकि भविष्य में भारत की अखंडता को चुनौती देने वाले कोई जिन्ना पैदा न हो सकें।
-योगी आदित्यनाथ,सीएम,उत्तरप्रदेश

राष्ट्रीय ध्वज पहली बार 1933 में तय किया गया था, और ध्वज समिति ने सर्वसम्मति से पारंपरिक भगवा को स्वतंत्र भारत का ध्वज बनाने की सिफारिश की थी, लेकिन तब गांधी जी ने हस्तक्षेप किया, और किसी कारण से, उन्होंने कहा कि तीन रंग होंगे और सबसे ऊपर भगवा' होगा।
-मोहन भागवत,आरएसएस प्रमुख

वोट चोरी के आरोपों पर न तो मोदी, न शाह और न ही चुनाव आयोग के पास कोई जवाब है, क्योंकि अब सच जनता के सामने आ चुका है। मोदी-शाह जहां भी चले जाएं, अंततः 'वोट चोरी' में पकड़े ही जाएंगे।
-राहुल गांधी,नेता विपक्ष

बिहार में एनडीए सत्ता से बाहर होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि वहां राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी यादव की सरकार बनने जा रही है। बिहार में जब भी ज्यादा वोटिंग होती है तो राजद की सरकार बनी है।
-ओपी राजभर,अध्यक्ष,सुभासपा

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिदार).

ब्रीफ न्यूज़

मुंबई वैद्य सभा का पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

मुंबई। मुंबई वैद्य सभा द्वारा आयुर्वेद क्षेत्र के प्रतिष्ठित चिकित्सकों को सम्मानित करने के लिए धन्वंतरी पुरस्कार कई वर्षों से प्रदान किया जा रहा है। इस वर्ष 9 नवंबर 2025 को विले-पार्ले स्थित होटल पार्ले इंटरनेशनल में यह समारोह सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. ओमप्रकाश दुबे और विशेष अतिथि धूतपापेश्वर लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रणजीत पुराणिक थे। दीपप्रज्वलन और डॉ. साक्षी घोलप व डॉ. तनुजा सुरनार द्वारा धन्वंतरी स्तोत्र गायन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस वर्ष का धन्वंतरी पुरस्कार डॉ. आल्हाद परांजपे और डॉ. विनोद मेहता को तथा जीवनगौरव पुरस्कार डॉ. सुभाष जोशी को प्रदान किया गया। साथ ही, मुंबई क्षेत्र के सभी आयुर्वेद कॉलेजों के बीएएमएस अंतिम वर्ष के शीर्ष विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र और 11,000 रुपये का प्रोत्साहन पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस पहल में श्री धूतपापेश्वर आयुर्वेद विद्यालय समिति का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में मुंबई वैद्य सभा के अध्यक्ष डॉ. श्यामसुंदर शर्मा ने आयुर्वेद के सिद्धांतों और दोष-प्रकृति आधारित चिकित्सा पद्धति के महत्व पर जोर दिया तथा आयुर्वेद प्रणाली के प्रसार का आह्वान किया। माजी अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र शर्मा ने संस्था की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह की अध्यक्षता करते हुए डॉ. दुबे ने संस्था के 136वें स्थापना दिवस पर बधाई दी और कहा कि इतने वर्षों तक आयुर्वेद के क्षेत्र में यह संस्था अपने आदर्शों और सेवा भावना के कारण निरंतर प्रगति कर रही है। डॉ. तेजस माऊ ने सहजता और विनम्रता के साथ कार्यक्रम का संचालन किया। समारोह में उपस्थित डॉ. एल.डी. शुक्ला, डॉ. रमण मिस्त्री, डॉ. महेंद्र चतुर्वेदी, डॉ. जान्हवी मेहता समेत अन्य चिकित्सकों का पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. हर्षद जोशी ने सभी का आभार व्यक्त किया और राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

भिवंडी फ्लाईओवर दुर्घटना पीड़ित परिवारों को मिली आर्थिक सहायता

भिवंडी : राजीव गांधी फ्लाईओवर पर फैले केबल तार में दोपहिया वाहन फंसने से हुई भीषण दुर्घटना में जान गंवाने वाले दो नागरिकों अहद दिलशाद अंसारी और मोहम्मद सैफ अंसारी के परिवारों को मुख्यमंत्री राहत कोष के तहत एक-एक लाख रुपये की वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई। इस अवसर पर ठाणे जिला कलेक्टर कार्यालय के अधिकारी, भिवंडी तहसीलदार कार्यालय के प्रतिनिधि नायब तहसीलदार आदेश म्हात्रे व म्हस्के, भिवंडी भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष राजू चौघुले, सामाजिक कार्यकर्ता शेख जाहिद मुख्तार तथा दोनों मृतकों के परिजन उपस्थित थे। यह सहायता भिवंडी पश्चिम के विधायक महेश चौघुले की सिफारस और निरंतर प्रयासों से तुरंत स्वीकृत की गई। भिवंडी भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष और विधायक के भाई राजू चौघुले ने संबंधित परिवारों को चेक सौंपे। उन्होंने कहा कि यह दुर्घटना अत्यंत दुखद और हृदय विदारक थी, जिससे दो परिवारों की आजीविका समाप्त हो गई। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने इस कठिन समय में संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय दिया है।

गांधीनगर-जयपुर स्टेशन का पुनर्विकास कार्य

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

उत्तर पश्चिम रेलवे के गांधीनगर-जयपुर स्टेशन पर पुनर्विकास और बड़े पैमाने पर उन्नयन कार्य किया जा रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए 9 नवंबर से 13 दिसंबर, 2025 तक 35 दिनों का ब्लॉक लिया गया है। इस दौरान पश्चिम रेलवे की कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा।

35 दिनों के ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें प्रभावित

कई ट्रेनें आंशिक रूप से रद्द या शॉर्ट टर्मिनेट होंगी

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक के अनुसार, इस ब्लॉक के चलते कई ट्रेनों को सांगानेर, दुर्गापुरा और अजमेर जैसे स्टेशनों पर शॉर्ट टर्मिनेट या ओरिजिनेट किया जाएगा। इनमें 12979 बांद्रा टर्मिनस-जयपुर एक्सप्रेस, 22933/22934 बांद्रा टर्मिनस-जयपुर एक्सप्रेस, 12955/12956 मुंबई सेंट्रल-जयपुर एक्सप्रेस, 09001/09002 मुंबई सेंट्रल-खातीपुरा स्पेशल और 20951/20952 ओखा-जयपुर एक्सप्रेस शामिल हैं। इन ट्रेनों के कुछ हिस्सों में यात्रा आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

परिवर्तित मार्ग से चलेंगी कुछ प्रमुख ट्रेनें

ब्लॉक अवधि के दौरान कुछ ट्रेनों को वैकल्पिक मार्गों से संचालित किया जाएगा। इनमें 12215 दिल्ली सराय रोहिल्ला-बांद्रा टर्मिनस, 19269 पोरबंदर-मुजफ्फरपुर, 19416 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा-साबरमती, 20937 पोरबंदर-दिल्ली सराय रोहिल्ला, 20938 दिल्ली सराय रोहिल्ला-पोरबंदर, 20940 सुल्तानपुर-साबरमती और 20964 वाराणसी-साबरमती एक्सप्रेस शामिल हैं। इसके अलावा, 19402 लखनऊ-साबरमती और 19202 अयोध्या कैंट-भावनगर टर्मिनस एक्सप्रेस को भरतपुर-कोटा-आणंद-अहमदाबाद मार्ग से चलाया जाएगा।

कुछ ट्रेनें रिशेड्युल भी होंगी

पश्चिम रेलवे ने बताया कि इस दौरान कुछ ट्रेनों का प्रस्थान समय भी बदला जाएगा। 30 नवंबर को मुंबई सेंट्रल से चलने वाली 12239 मुंबई सेंट्रल-हिसार एक्सप्रेस को एक घंटे बाद रवाना किया जाएगा। वहीं 23 नवंबर से 7 दिसंबर के बीच इसकी अन्य सेवाएं डेढ़ घंटे देरी से चलेंगी। इसके अलावा, 23 नवंबर को इंदौर से चलने वाली 12465 इंदौर-भगत की कोठी एक्सप्रेस को तीन घंटे रिशेड्युल किया जाएगा।

पारसमणि चौक में लगी आग से मची अफरा-तफरी

डीबीडी संवाददाता । डोंबिवली

डोंबिवली पूर्व के पारसमणि चौक स्थित किनारा होटल के पीछे सोमवार दोपहर एक खाली प्लॉट में अचानक आग लग गई। घनी आबादी वाले इस क्षेत्र में धुआँ फैलते ही लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (KDMC) के अग्निशमन दल मौके पर पहुँचे और तेज़ी से कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया। होटल के पीछे की संकरी गली में कबाड़ और ठेले रखे हुए थे। दोपहर में दुकानों के बंद होने के कारण जब इलाके में सन्नाटा था, तभी अचानक आग भड़क उठी। ज्वलनशील कबाड़ सामग्री होने के कारण आग ने तुरंत भीषण रूप ले लिया और धुएँ के गुबार से आसपास की इमारतें भर गईं। डर के मारे स्थानीय निवासी अपने घरों से बाहर निकल आए।

दमकल की तत्परता से टला बड़ा हादसा

कल्याण-डोंबिवली मनपा के दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुँचकर पानी की बौछार से आग पर जल्द नियंत्रण पाया। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन लाखों की संपत्ति के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। आग लगने का सटीक कारण अब तक सामने नहीं आया है। स्थानीय नागरिकों का अनुमान है कि किसी ने गलती से मलबे में जलती लकड़ी या सिगरेट फेंक दी होगी। वार्ड एफ की सहायक आयुक्त हेमा मुंबरकर ने स्थल का दौरा कर स्थानीय लोगों को सुरक्षा के मद्देनज़र आसपास फैले मलबे को हटाने के निर्देश दिए।

पुलिस इंस्पेक्टर द्वारका दोखे पहुंची माउंट एवरेस्ट

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे में क्राइम ब्रांच की पुलिस इंस्पेक्टर द्वारका दोखे ने 22 मई 2024 को दुनिया की सबसे ऊँची चोटी माउंट एवरेस्ट पर कदम रखा। ऐसा कहा जा रहा है कि ऑक्सीजन की कमी से जूझ रही इस चोटी पर राष्ट्रगान जन गण मन गाने वाली वह राज्य और देश की पहली महिला पर्वतारोही हैं। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक राजेश कुमार ने उनके प्रदर्शन की सराहना की और उन्हें महाराष्ट्र पुलिस प्रबोधिनी पदक से सम्मानित किया। विधायक संजय केलकर ने भी जनसंवाद कार्यक्रम में उनकी प्रशंसा की और जनसेवक को सम्मानित किया।

नि:शुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन

डीबीडी संवाददाता । कराड

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा परिषद द्वारा रविवार को विठ्ठल चौक, कराड में आयोजित भव्य नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में सैकड़ों नागरिकों ने स्वास्थ्य परीक्षण, परामर्श और मुफ्त दवाइयों का लाभ लिया। इस अवसर पर परिषद के पदाधिकारियों और स्थानीय मान्यवरों की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। शिविर में जनरल फिजिशियन, हृदय रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ और दंत चिकित्सक सहित कई अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने सेवाएं प्रदान कीं। परिषद के प्रतिनिधियों ने बताया कि इस सामाजिक उपक्रम का उद्देश्य आम नागरिकों तक स्वास्थ्य जागरूकता और प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाना है, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को स्वास्थ्य जांच का अवसर उपलब्ध कराना। परिषद के जिला संयोजक ने घोषणा की कि आने वाले महीनों में रक्तदान शिविर और महिला स्वास्थ्य जागरूकता अभियान जैसे और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शिविर के सफल आयोजन में स्थानीय स्वयंसेवकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और परिषद सदस्यों का विशेष योगदान रहा। समापन अवसर पर डॉक्टरों और टीम सदस्यों को सम्मानपत्र देकर सम्मानित किया गया। उपस्थित नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में जनसेवा की भावना को प्रोत्साहित करते हैं।

कूपर अस्पताल में बढ़ाई जाएगी डॉक्टरों की सुरक्षा

- महाराष्ट्र सुरक्षा बल के जवानों की तैनाती का फैसला
- हमले के बाद रेजिडेंट डॉक्टरों की मांग पर कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

कूपर अस्पताल में तीन डॉक्टरों पर हुए हमले के बाद रेजिडेंट डॉक्टरों ने महाराष्ट्र सुरक्षा बल (MSF) के जवानों की तैनाती की मांग की थी। डॉक्टरों का आरोप था कि निजी सुरक्षा गार्ड हमले के दौरान मूकदर्शक बने रहे। सोमवार को हुई उच्चस्तरीय बैठक में अस्पताल में महाराष्ट्र सुरक्षा बल के जवानों को तुरंत तैनात करने का निर्णय लिया गया।

अतिरिक्त सुरक्षा गार्डों की नियुक्ति

जब तक महाराष्ट्र सुरक्षा बल की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी नहीं होती, तब तक मुंबई नगर निगम ने हर शिफ्ट में आठ अतिरिक्त सुरक्षा गार्ड नियुक्त करने का निर्णय लिया है। यह व्यवस्था सोमवार दोपहर से लागू कर दी गई। यह निर्णय स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा उपायुक्त, मुख्य अस्पताल निदेशक डॉ. नीलम अंद्राडे, शिव अस्पताल के डीन डॉ. मोहन जोशी और नायर अस्पताल के डीन डॉ. शैलेश मोहिते की उपस्थिति में हुई बैठक में लिया गया। कूपर अस्पताल प्रशासन को महाराष्ट्र सुरक्षा बल की तैनाती के लिए तत्काल प्रस्ताव तैयार करने का आदेश दिया गया है। कूपर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. देव शेट्टी ने बताया कि मंगलवार से प्रस्ताव तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी और इसे जल्द ही मुंबई नगर निगम को सौंपा जाएगा। डॉ. शेट्टी ने बताया कि मरीजों और उनके परिजनों को जागरूक करने के लिए अस्पताल में एक पट्टिका लगाई जाएगी, जिसमें महाराष्ट्र डॉक्टर्स प्रोटेक्शन एक्ट की जानकारी दी जाएगी। इस पट्टिका में यह भी बताया जाएगा कि अस्पताल परिसर में मरीजों और परिजनों को डॉक्टरों से संवाद और व्यवहार के दौरान किन नियमों का पालन करना चाहिए।

एड. रोहित विजय जाधव को मिला "कोकण विभाग वसंत स्मृति आदर्श संस्थाचालक पुरस्कार 2025"

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान पद्मश्री अण्णासाहेब जाधव भारतीय समाज उन्नती मंडळ के सरचिटणीस एडवोकेट रोहित विजय जाधव को शिक्षा क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए "कोकण विभाग वसंत स्मृति आदर्श संस्थाचालक पुरस्कार 2025" से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार महाराष्ट्र विधान परिषद के पूर्व उपसभापति स्वर्गीय वसंतराव डावखरे की स्मृति में, कोकण पदवीधर मतदार संघ के आमदार निरंजन डावखरे की संकल्पना के तहत प्रदान किया जाता है। पुरस्कार वितरण समारोह ठाणे के एम. एच. हायस्कूल में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में संपन्न हुआ। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी शिक्षक आघाडी, कोकण विभाग की ओर से राज्य सांस्कृतिक धोरण अंमलबजावणी समितीचे अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे के शुभहस्ते एड. रोहित विजय जाधव को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आमदार निरंजन डावखरे, आमदार संजय केळकर, आमदार ज्ञानेश्वर म्हात्रे और शिक्षण क्रांती संघटने के अध्यक्ष सुधीर घागस सहित कई शिक्षण व सामाजिक क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

'विश्व उर्दू दिवस' समारोह का शानदार आयोजन

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

यशवंतराव चौहाण महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ, नाशिक के अंतर्गत संचालित जी.एम. मोमिन विमेंस कॉलेज अध्ययन केंद्र द्वारा 9 नवंबर को "हमारी प्यारी ज़बान उर्दू" विषय पर विश्व उर्दू दिवस समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम के.एम.ई. सोसायटी के सचिव दानियाल काज़ी की अध्यक्षता में रईस हाई स्कूल के उर्दू बसेरा हॉल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि बी.ए. और एम.ए. के विद्यार्थियों ने पूरे आयोजन का संचालन और प्रस्तुतीकरण स्वयं किया। कार्यक्रम का मार्गदर्शन सूफिया मोमिन, ज़वेरिया काज़ी, रफ़ी अंसारी और जफर आलम जामयी ने किया। अवसर पर हॉल विद्यार्थियों से खचाखच भरा था, जबकि मंच पर दानियाल काज़ी के साथ समन्वयक अब्दुल अज़ीज़ अंसारी, डॉ. अबू तालिब अंसारी, डॉ. कुतुबुद्दीन शाहिद, डॉ. अबूसाद, रफ़ी अंसारी, ज़फ़र आलम जामयी, सूफिया मोमिन, फहीम अब्दुल बारी मोमिन, नाजिमा मोमिन, खान ज़ाकिर हुसैन, हाशमी सय्यद एजाज़ और अन्य अतिथि उपस्थित थे।

न्यू माहिम स्कूल की इमारत 'अत्यधिक खतरनाक' घोषित, जल्द होगा पुनर्निर्माण

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नगर निगम के जी उत्तर विभाग में स्थित न्यू माहिम नगर निगम स्कूल की इमारत को स्ट्रक्चरल ऑडिट में सी1 श्रेणी (अत्यधिक खतरनाक) घोषित किया गया है। सुरक्षा कारणों से इस इमारत को जल्द ही गिराया जाएगा और उसी स्थान पर नया स्कूल भवन बनाया जाएगा।

निजी डेवलपर को नहीं सौंपी जाएगी जिम्मेदारी

बीएमसी प्रशासन ने सोमवार को स्पष्ट किया कि न्यू माहिम स्कूल का पुनर्निर्माण किसी निजी डेवलपर के माध्यम से नहीं किया जाएगा। इमारत का निर्माण मनपा द्वारा ही किया जाएगा, और इस भूमि का उपयोग केवल छात्रों के शैक्षणिक कार्यों के लिए किया जाएगा। अभिभावकों और जनप्रतिनिधियों की मांग पर नगर निगम ने एक तृतीय-पक्ष परामर्श फर्म से भी स्कूल भवन का स्ट्रक्चरल ऑडिट करवाया। इस ऑडिट में भी इमारत को "अत्यधिक खतरनाक" पाया गया। बीएमसी की तकनीकी सलाहकार समिति ने भी इस निष्कर्ष की पुष्टि करते हुए इमारत को खाली करने के आदेश दिए हैं। छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मराठी, हिंदी और अंग्रेजी माध्यम के छात्रों को पास के नगर निगम स्कूलों में स्थानांतरित कर दिया गया है। बीएमसी ने बताया कि सभी छात्रों की शिक्षा फिलहाल वैकल्पिक व्यवस्था के तहत सुचारू रूप से जारी है। बीएमसी ने यह भी बताया कि माहिम मोरी स्कूल भवन के पुनर्निर्माण का कार्य प्रगति पर है और उसके लिए निविदा पहले ही प्रकाशित की जा चुकी है। न्यू माहिम स्कूल के लिए भी नवंबर के अंत तक निविदा प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी और पुनर्निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य हो जाने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश लाभदायक रहेगा। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। विवाद से बचें।

वृष व्यापार ठीक चलेगा। आय होगी। विवेक का प्रयोग करें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। विवाद से बचें। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा।

मिथुन नए अनुबंध हो सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लंबी यात्रा हो सकती है। लाभ होगा। प्रशंसा मिलेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी।

कर्क व्यापार ठीक चलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग से हानि की आशंका है, सावधानी रखें। दूसरों के झगड़ों में हस्तक्षेप न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्षोभ होगा। फालतू की बातों पर ध्यान न दें।

सिंह राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कोई बड़ा कार्य करने की योजना बन सकती है। कार्यसिद्धि होगी। सुख के साधनों पर व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें।

कन्या पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। रोजगार में उन्नति एवं लाभ की संभावना है। लाभदायक समाचार मिलेंगे। प्रेम-संबंधों में सफलता मिलेगी। सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी।

तुला वरिष्ठ जन सहायता करेंगे। रुके कार्यों में गति आएगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रोजगार बढ़ेगा। सतर्कता से कार्य करें। संतान के व्यवहार से सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है। व्यापार में नए अनुबंध आज नहीं करें। आर्थिक तंगी रहेगी।

वृश्चिक प्रॉपर्टी ब्रोकर्स के लिए सुनहरा मौका साबित हो सकता है। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि के योग हैं। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यस्तता रहेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे।

धनु बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पारिवारिक मांगलिक कार्य हो सकता है। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। मेहनत का फल पूरा नहीं मिलेगा।

मकर आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। शोक संदेश मिल सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी के उकसाने में न आएं। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी रहेगी।

कुंभ कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने के अवसर मिलेंगे। मेहनत सफल रहेगी। बिगड़े काम बनेंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

मीन नए मित्र बनेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यों में गति आएगी। विवेक का प्रयोग करें। लाभ में वृद्धि होगी। मित्रों के सहयोग से किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। पुराने संगी-साथी व रिश्तेदारों से मुलाकात होगी।

हनुमान कृपा का अद्भुत रहस्य — मारुति स्तोत्र की दिव्य साधना

प्रियंका जैन
9769994439

प्राचीन ऋषियों और संतों ने कहा है कि यदि किसी युग में भी परम भय से मुक्ति चाहिए, तो उस युग के अधिष्ठाता देवता का स्मरण आवश्यक है। कलियुग में वह अधिष्ठाता हैं—श्री हनुमान, जिन्हें मारुति, वज्रांग, पवनसुत और भीमरूप महारुद्र कहा गया है। उनकी आराधना मात्र से जीवन के समस्त भय, रोग, शोक और नकारात्मकता का नाश हो जाता है। इस आराधना का सर्वाधिक प्रभावकारी और सिद्ध मार्ग है—"मारुति स्तोत्र", जो स्वयं श्री रामदास स्वामी द्वारा रचित वह दिव्य स्तोत्र है, जिसमें हनुमान की शक्ति, स्वरूप, महिमा और कृपा का सीधा आवाहन होता है।

यह स्तोत्र केवल एक मंत्र या भजन नहीं, बल्कि यह वह शक्तिप्रवाह है जिसमें साधक का मन, वाणी और आत्मा एक हो जाते हैं। जब कोई व्यक्ति श्रद्धा, विश्वास और अनुशासन के साथ इसका जप करता है, तो उसकी चेतना धीरे-धीरे हनुमान जी के दिव्य क्षेत्र में प्रवेश करने लगती है। हनुमान जी शिव के ग्यारहवें रुद्रावतार हैं, अतः इस स्तोत्र का प्रत्येक अक्षर स्वयं महाकाल की अग्नि से प्रकाशित है। इसीलिए इसे "सिद्ध मंत्र" कहा गया है—क्योंकि यह केवल प्रार्थना नहीं, बल्कि जागरण है।

कहा जाता है कि हनुमान जी के नाम का स्मरण भी साधक को भयमुक्त कर देता है। लेकिन जब वह "मारुति स्तोत्र" का जाप करता है, तो हनुमान जी न केवल उसकी रक्षा करते हैं, बल्कि उसके जीवन को दिव्य तेज से भर देते हैं। यह स्तोत्र उस ऊर्जा का मार्ग है जो भीतर सुप्त अवस्था में पड़ी रहती है—मारुति स्तोत्र के उच्चारण से वह ऊर्जा "भीमरूपी महारुद्र" के रूप में जागृत होती है।

भक्तों के अनुभव में आया है कि जो व्यक्ति मंगलवार या शनिवार को ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करके स्वच्छ वस्त्र पहनकर, पूर्व दिशा की ओर मुख करके हनुमान जी की प्रतिमा के सम्मुख इस स्तोत्र का पाठ करता है, उसके जीवन से भय, रोग और निराशा स्वतः नष्ट हो जाते हैं। हनुमान जी को सिंदूर, लाल पुष्प और दीपदान अर्पित करके यह पाठ किया जाए तो इसका प्रभाव दस गुना बढ़ जाता है।

जब कोई भक्त सच्चे मन से "भीमरूपी महारुद्रा वज्र हनुमान मारुती" का उच्चारण करता है, तो वह केवल शब्द नहीं बोल रहा होता, बल्कि वह अपने भीतर सोई दिव्य शक्ति को जगाता है। यही कारण है कि यह स्तोत्र आत्मबल का स्रोत है। यह भय का नाश करता है, नकारात्मक विचारों को मिटाता है और साधक को निरोग, निर्भय और आत्मविश्वासी बनाता है।

जो व्यक्ति नियमित रूप से मारुति स्तोत्र का पाठ करता है, वह हनुमान जी के निकट हो जाता है। हनुमान जी सदैव ऐसे भक्तों के साथ रहते हैं—उन्हें अदृश्य रूप से मार्गदर्शन देते हैं, संकटों में रक्षा करते हैं, और मनोबल को अटूट बनाए रखते हैं। कहा गया है कि जहाँ मारुति स्तोत्र का पाठ होता है, वहाँ भूत-प्रेत, बाधा, रोग और भय का कोई अस्तित्व नहीं रहता। उस स्थान का वातावरण स्वयं तेजोमय और पवित्र हो जाता है।

न्यूज़ ब्रीफ

श्मशान की जमीन पर बने मकानों पर चला बुलडोजर

शाहजहांपुर। जिले में प्रशासन ने कथित तौर पर मरघट की जमीन पर बने लगभग 40 से अधिक मकान पर सोमवार को बुलडोजर चलाकर तोड़ने का काम शुरू कर दिया। हालांकि प्रशासन ने इस जमीन को अभिलेखों में आबादी की भूमि के तौर पर दर्ज कर दिया था और पट्टे भी जारी किए गए थे। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) रजनीश कुमार मिश्रा ने बताया कि जलालाबाद थाना क्षेत्र के रोली बोली गांव में लगभग 15 बीघा जमीन मरघट (श्मशान) की है और इसी जमीन को खाली करने के लिए जलालाबाद तहसीलदार की अदालत ने लगभग 43 घरों पर बेदखली की कार्रवाई की है। इस संबंध में कथित अतिक्रमण करके कब्जा करने वालों को पूर्व में कई बार सूचित भी किया गया था और जब भवन स्वामियों ने अपना कब्जा नहीं हटाया तो मजबूरन पुलिस बल के साथ प्रशासनिक अधिकारियों की देखरेख में बुलडोजरों से आवासीय निर्माण को ध्वस्त करना शुरू किया गया है।

आवारा पशुओं को रखने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनेंगे शेल्टर होम

लखनऊ। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) आवारा पशुओं को रखने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग और एक्सप्रेस वे पर शेल्टर होम बनाएगा। राजमार्गों पर पेट्रोलिंग करने वाली टीम की एक विंग ऐसे आवारा पशुओं को पकड़कर शेल्टर होम में रखेगी और फिर ग्राम पंचायतों के जरिए एक प्रक्रिया अपनाकर मवेशियों के मालिकों और नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत को सौंपे जाएंगे। इसको लेकर जिला प्रशासन के साथ एनएचएआई बैठक करके पूरी रूपरेखा बनाएगा। पहले चरण में लखनऊ से कानपुर, लखनऊ से सीतापुर, हरदोई जैसे राजमार्गों पर काम होगा। फिर सुलतानपुर, आउटर रिंग, रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग, अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर शेल्टर होम बनाए जाएंगे।

3 से ज्यादा चालान बकाया रखने वाले वाहन होंगे ब्लैकलिस्ट

सिवान। यातायात नियमों की अनदेखी करने व शिथिलता बरतने वालों पर अब परिवहन विभाग ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। विभागीय निर्देश के मुताबिक स्टंटबाजी करने, मॉडिफाइड साइलेंसर लगवाने, बिना हेलमेट या सीट बेल्ट लगाए वाहन चलाने जैसे मामलों में लगातार लापरवाही बरतने वालों को सर्वप्रथम ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद भी चालान बकाया रखा जाता है तो रजिस्ट्रेशन रद करने की कार्रवाई हो सकती है। वहीं, निर्देश मिलने के बाद जिला परिवहन विभाग द्वारा ऐसे वाहनों की सूची तैयार करनी शुरू कर दी गई है। इस संबंध में एडीटीओ अर्चना कुमारी ने बताया कि बार-बार समझाने, चालान काटने और अभियान चलाने के बावजूद भी कई वाहन चालकों द्वारा शिथिलता बरती जा रही है, जिसको लेकर यह कार्रवाई की जा रही है। एडीटीओ ने बताया कि अब सभी वाहनों को डिजिटल रिकॉर्ड ट्रैकिंग सिस्टम से जोडा भी जा रहा है। जिससे चालान के बाद भुगतान न होने की स्थिति में स्वतः रजिस्ट्रेशन रद हो सकेगा।

फैमिली चलाती है क्राइम कंपनी

मंडी माफिया राजेश मिश्रा के घर छापेमारी

एजेंसी | लखनऊ

उत्तर प्रदेश का नामी गैंगस्टर राजेश मिश्रा एक बार फिर सुर्खियों में है. पुलिस ने उसके खिलाफ चल रही जांच में एक के बाद एक चौंकाने वाले खुलासे किए हैं. राजेश मिश्रा के घर से न केवल 2 करोड़ रुपये नकद और ड्रग्स मिले बल्कि अब यह भी सामने आया है कि पत्नी और बेटे अपराध नेटवर्क चला रहे थे. बेटे का दुस्साहस देखिए, उसने जमानत के लिए फर्जी दस्तावेज अदालत में जमा करा दिए. पुलिस अब पूरे मिश्रा गैंग एंड कंपनी के नेटवर्क को ध्वस्त करने में जुटी है. साथ ही गैंगस्टर राजेश मिश्रा की पूरी क्राइम कुंडली भी खोलकर रख दी है.

छापेमारी में क्या मिला?

यूपी पुलिस को मिश्रा के घर से 2 करोड़ रुपये नकद, 3 किलो ड्रग्स (कोकीन और मेफेड्रोन), 6.076 किलोग्राम गांजा और 577 ग्राम स्मैक बरामद हुआ है. इसके अलावा, 4 लग्जरी गाड़ियां, 6 अवैध हथियार भी मिले हैं. पुलिस ने कुछ दस्तावेज और लैपटॉप जब्त किए गए हैं, जिनसे हवाला ट्रांजैक्शन के सुराग मिले हैं. घर से बरामद नशीले पदार्थ की कीमत करीब 1 करोड़ रुपये बताई जा रही है. पुलिस ने मिश्रा की सभी संपत्तियों की जांच शुरू कर दी है. अब ED और NCB की टीमें भी अब जांच में शामिल हो गई हैं. अनुमान है कि मिश्रा ने पिछले 5 वर्षों में 100 करोड़ से अधिक की काली कमाई की है.

कौन है राजेश मिश्रा?

राजेश मिश्रा यूपी के प्रतापगढ़ जिले के मानिकपुर इलाके का रहने वाला है. उसकी उम्र 45 है. 2010 से अपराध की दुनिया में एक्टिव है. वह फिलहाल जेल में बंद है और सलाखों के पीछे से ही अपना गिरोह चला रहा था. राजेश मिश्रा का गिरोह यूपी में पूर्वांचल के अलावा ओडिशा और झारखंड में भी सक्रिय था. पंजाब और राजस्थान में भी अपनी जड़ें जमाने में जुटा था.

ऐसे हुआ मिश्रा के क्राइम कंपनी का खुलासा

एंटी-नारकोटिक्स और STF टीम को सूचना मिली थी कि मिश्रा अपने ठिकाने से ड्रग्स और हवाला कारोबार चला रहा है. सूचना के आधार पर मेरठ, गाजियाबाद और बागपत में एक साथ छापेमारी की गई. पुलिस ने अब तक गैंग के 6 सदस्यों को गिरफ्तार किया है.

बेतिया रेलवे स्टेशन में 'एयरपोर्ट' वाली फील

स्टेशन परिसर में पर बहुमंजिला इमारत में बनेगा शापिंग मॉल

एजेंसी | बेतिया

बेतिया शहर के रेलवे स्टेशन के लिए अब नया और आधुनिक भवन तैयार किया जाएगा। जो एयरपोर्ट लुक में होगा। यह बदलाव न सिर्फ स्टेशन की खूबसूरती को बढ़ाएगा, बल्कि यात्री सुविधाओं को भी बेहतर बनाएगा। इस भवन के निर्माण से क्षेत्र को नया चेहरा मिलेगा और यहां आने वाले यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। प्रोजेक्ट मैनेजर सह इंजीनियर सैयद शाहबाद शमीम ने बताया कि स्टेशन के दोनों तरफ से प्रवेश द्वार बनाए जाएंगे।बानुछापर के तरफ से बनने वाला स्टेशन लगभग डेढ़ सौ मीटर की लंबाई में होगा। जबकि, रक्सौल स्टेशन को बेतिया राज भवन का लुक दिया जाएगा। बेतिया में दोनों साइड पर ऊंची इमारत बनेगी। जिसमें माल, आकर्षित शापिंग शाप, सिनेमा घर बनेंगे की योजनाएं बनाई गई है।

क्षेत्रीय निर्मित वस्तुओं की होगी बिक्री

नए भवन के साथ-साथ स्टेशन परिसर में एक शापिंग मॉल का निर्माण भी किया जाएगा, जिसमें विभिन्न प्रकार की क्षेत्रों की निर्मित वस्तुएं उपलब्ध होंगी। यह पहल स्थानीय कारीगरों और व्यवसायियों को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी सशक्त किया जाएगा। शापिंग मॉल में न केवल पर्यटकों के लिए खरीददारी की सुविधा होगी, बल्कि स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय भी किया जाएगा। बेतिया रेलवे स्टेशन एक महत्वपूर्ण परिवहन केंद्र है। जो न केवल शहर के लोगों के लिए, बल्कि आसपास के क्षेत्रों के लिए भी महत्वपूर्ण है। यहां का नया निर्माण परियोजना उन सभी यात्रियों के लिए एक समर्पित सुविधा प्रदान करेगा, जो आराम और सुविधाजनक यात्रा की उम्मीद रखते हैं। नए एयरपोर्ट लुक वाले भवन में आधुनिक इंतजाम और परिवहन साधनों की सुगमता सुनिश्चित की जाएगी। बील्डिंग में यात्रियों को प्रवेश करते समय डबल हाइड्रेट छत दिखाई देगा यात्रियों को रोकने के लिए वेटिंग हॉल बनाए जाएंगे। बड़े-बड़े दुकानों से सुसज्जित होगा इसमें यात्री प्रवेश करते समय अपने को काफी सुरक्षित महसूस करेंगे। उनको लगेगा कि हम किसी एयरपोर्ट में आ गए हैं।

दिल्ली दंगा मामले में कपिल मिश्रा को मिली राहत

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने दंगा मामले में कानून मंत्री कपिल मिश्रा को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने कपिल मिश्रा और दिल्ली पुलिस द्वारा दायर रिवीजन पिटीशन को भी स्वीकार कर लिया है। इसके अलावा कोर्ट ने मजिस्ट्रेट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया गया था कि वह उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगे मामले में कपिल मिश्रा की संलिप्तता का जांच करें। विशेष न्यायाधीश डिग विनय सिंह ने अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (ACJM) द्वारा 23 फरवरी की घटना के संबंध में पारित आदेश को रद्द कर दिया है। पुलिस का कहना था कि दंगों की साजिश में कपिल मिश्रा की भूमिका के बारे में उन्होंने पहले ही जांच कर ली है। पुलिस ने यह भी कहा कि उन्हें जांच के दौरान कपिल मिश्रा के खिलाफ कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

मोहम्मद इलियास ने दायर की थी याचिका

मामले में आगे की जांच मजिस्ट्रेट कोर्ट ने मोहम्मद इलियास द्वारा दायर शिकायत के आधार पर की गई थी। जिसके बाद मिश्रा की दंगों में भूमिका की जांच का आदेश दिया था। इस मामले में विशेष लोक अभियोजक अमित प्रसाद ने तर्क दिया कि मिश्रा की जांच पहले ही हो चुकी है, किसी तरह का कोई सबूत नहीं मिला है। वहीं मोहम्मद इलियास द्वारा दायर याचिका में कहा गया था कि उन्होंने दंगों के दौरान कपिल मिश्रा और दूसरे लोगों को उत्तर-पूर्वी दिल्ली के कर्दमपुरी में सड़क को रोकते और सामान बेचने वालों के ठेलों को तोड़ते और गिराते हुए देखा था।

लालू परिवार पर आरोप तय करने को चार दिसंबर तक टला फैसला

एजेंसी | नई दिल्ली

राउज एवेन्यू कोर्ट ने आरजेडी प्रमुख और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, मीसा भारती, तेज प्रताप यादव सहित अन्य के खिलाफ 'जमीन के बदले नौकरी' घोटाले मामले में आरोप तय करने के आदेश को सोमवार को टाल दिया। अब इस पर अगली सुनवाई चार दिसंबर को होगी। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने की अदालत इस दिन तय करेगी कि आरोप तय किए जाएं या नहीं। सीबीआई ने इस मामले में आरोपपत्र दाखिल करते हुए कहा था कि रेलवे में ग्रुप-डी की नौकरियां देने के बदले रिश्वत के रूप में जमीन ली गई थी।

सीबीआई ने लगाए गंभीर आरोप

सीबीआई ने लालू यादव और उनके परिवार सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 120बी, 420, 468, 467 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 11, 12, 13(1)(डी) और 13(2) के तहत आरोपपत्र दाखिल किया था। एजेंसी का कहना है कि रेलवे भर्ती के दौरान उम्मीदवारों से जमीन लेकर उन्हें नौकरियां दी गईं। इस दौरान सीबीआई के विशेष लोक अभियोजक डीपी सिंह ने अदालत में कहा कि आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सबूत मौजूद हैं और इस मामले में भ्रष्टाचार के स्पष्ट संकेत मिलते हैं।

बचाव पक्ष ने बताया राजनीतिक षड्यंत्र

दूसरी ओर, बचाव पक्ष ने सीबीआई के आरोपों को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया। लालू प्रसाद यादव के वरिष्ठ वकील मनिंदर सिंह ने दलील दी कि किसी भी नियुक्ति में नियमों का उल्लंघन नहीं हुआ और सभी जमीनें भुगतान कर खरीदी गईं, जिनकी रजिस्टर्ड सेल डीड मौजूद है। उन्होंने कहा कि न तो कोई सिफारिश की गई, न ही यह साबित हुआ कि जमीन बिना कीमत के ली गई।

पत्नि की हत्या कर पति ने खुद भी ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

एजेंसी | मीरजापुर

कटरा कोतवाली के ओमनगर कालोनी लोहंदी रोड के रहने वाले धनी मौर्या ने पारिवारिक कलक के चलते सोमवार की शाम अपनी 35 वर्षीय पत्नी सुमित्रा की गला रेतकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद हत्यारोपित धनी मौर्या खुद देहात कोतवाली के राजापुर उमरिया गांव के सामने जाकर नई रेल लाइन पर मालगाड़ी के सामने कूदकर जान दे दी। घटना की खबर लगते ही मोहल्ले में हड़कंप मच गया। मौके पर एएसपी नगर नितेश सिंह, कटरा कोतवाली पुलिस के साथ पहुंचे और छानबीन की। बताया गया कि मृतक की शादी छह वर्ष पूर्व हुई थी। तभी से उसके घर में पत्नी के बीच कुछ विवाद चल रहा था।

व्यापार जगत

सादगीपूर्ण जीवनशैली से प्रदूषण मुक्ति की राह

राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण की तीव्रता के बारे में पहले ही काफी कुछ कहा और लिखा जा चुका है। बारम्बार, हमें उस ज़हरीली हवा के हानिकारक परिणामों की याद दिलाई जाती रही है जिसमें हम सांस लेते हैं। जैसा कि एम्स के पूर्व निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया कहते हैं, वायु प्रदूषण कोविड-19 से ज़्यादा लोगों की जान ले रहा है। दरअसल, उनके शब्दों में, वायु प्रदूषण के दीर्घकालिक प्रभाव खांसी और सांस फूलने से कहीं आगे तक जाते हैं; यह दिल के दौरे, ब्रेन स्ट्रोक और यहां तक कि कैंसर जोखिम का एक बड़ा कारक है। फिर भी, ऐसा लगता है कि हम बुनियादी सवाल उठाने और इस संकट की जड़ तक पहुंचने के लिए तैयार नहीं। इसके बजाय, हम सरकार द्वारा सुझाए गए अस्थायी समाधानों से ही संतुष्ट रहना पसंद कर रहे हैं। एयर प्यूरीफायर खरीदें; बाहर जाते समय एन95 मास्क का इस्तेमाल करें; और तकनीकी चमत्कार- क्लाउड सीडिंग एवं कृत्रिम वर्षा - का इंतज़ार करें! दरअसल, किसी सार्वजनिक समस्या के ऐसे निजीकृत समाधानों से परे देखने, खुद से सवाल करने और उस वैश्विक नजरिये अथवा जीवन शैली के तरीकों पर सवाल उठाने के लिए साहस और राजनीतिक/नैतिक दृढ़ विश्वास की आवश्यकता होती है, जिसे हमने सामान्य बना लिया है।

आइए, हम ईमानदारी से स्वीकार करें कि दिल्ली का वायु प्रदूषण, व्यापक जलवायु संकट और पारिस्थितिकी तंत्र पर बढ़ते हमलों से जुदा नहीं है। आधुनिकता के मूल मिज़ाज और प्रकृति पर मशीनी प्रभुत्व स्थापित करने की तर्कसंगतता मनाने पर विचार करें। 16वीं शताब्दी के दार्शनिक फ्रांसिस बेकन को याद करें—जिस तरह उन्होंने प्रकृति को मात्र संसाधन के रूप में देखा, और उस पर अपना नियंत्रण स्थापित करने के लिए प्रकृति पर जीत प्राप्त करने, उसे काबू करने और अपने हिसाब से घुमाने के लिए नव विज्ञान की वकालत की है। यह कहकर कि 'ज्ञान ही शक्ति है' -बेकन का यह सिद्धांत उस सोच को नई गति देता है जिसको लेकर आधुनिकता बहुत उत्साहित रहती है : अंतहीन तकनीकी-भौतिक प्रगति हेतु प्रकृति पर विजय पाने का कार्य। और फिर, आधुनिकता की सबसे प्रत्यक्ष अभिव्यक्ति के रूप में तकनीकी-पूंजीवाद के निरंतर विकास के साथ, हम आर्थिक विकास और उपभोक्तावाद के सिद्धांत के प्रति तेजी से आदी होने लगे। कोई आश्चर्य नहीं कि हमारे आस-पास की हर चीज़, चाहे वह पेड़ हो, नदी हो, जंगल हो या पहाड़, अपना रहस्य और अर्थ खो बैठी है। इस मोहभंग भरी दुनिया में, प्रकृति हमारी बढ़ती ज़रूरतों और लालच को पूरा करने के लिए अपने 'उपयोग मूल्य' के साथ एक संसाधन मात्र बन गई है - ज़्यादा बिजली, ज़्यादा कारें, ज़्यादा फ़र्नीचर, ज़्यादा यात्राएं, ज़्यादा कपड़े, ज़्यादा उपभोग... हम सड़कें बनाने के लिए हज़ारों पेड़ों को नष्ट करने से नहीं हिचकिचाते; बांध बनाने और बिजली पैदा करने के लिए नदी के प्राकृतिक प्रवाह और लय को नष्ट कर रहे हैं; हम उपभोक्तावादी पर्यटकों की ज़रूरतों की पूर्ति हेतु होटल और रिसॉर्ट बनाने के लिए नाज़ुक पहाड़ों को नष्ट करते हैं। इसके अलावा, चूंकि आधुनिकता के विमर्श में गति और गतिशीलता का पंथ अंतर्निहित है, इसलिए हमें ज़्यादा कारों, ज़्यादा ट्रेनों, ज़्यादा हवाई जहाजों की ज़रूरत है; और इसके वास्ते उपयोग होने वाले जीवाश्म ईंधन का निरंतर दोहन ज़्यादा से ज़्यादा कार्बन उत्सर्जन को बढ़ावा देता है। हम आधुनिकता व तकनीकी-पूंजीवाद के दुष्चक्र में फंसे हैं। जैसा कि समाजशास्त्री उलरिच बेक ने कहा है, 'अब हम एक 'जोखिम युक्त समाज' में जी रहे हैं।'

दिल्ली का वायु प्रदूषण आधुनिकता की त्रासदी का एक उदाहरण है। शहर में घूमते वक्त वाहनों की भरमार देखिए। जैसा कि दिल्ली के 2023 के आंकड़े बताते हैं, राजधानी में पंजीकृत वाहनों की कुल संख्या 1.2 करोड़ थी, जिनमें से 33.8 लाख निजी कारें थीं। शहर में जारी अंतहीन निर्माण कार्य को देखिए- कहीं कोई नया राजमार्ग, कोई नया फ्लाईओवर, कोई नया मेट्रो स्टेशन, या गगनचुंबी मंजिलों वाली कोई नई विशाल हाउसिंग सोसायटी बनती नज़र आती है। इसे स्वीकार करें, दिल्ली का वायु प्रदूषण मुख्य रूप से पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने के कारण नहीं है। इसकी बजाय, यह बड़े पैमाने के विकास, गति और उपभोग में अंतर्निहित जन्मजात अवगुण के कारण है। हम यह कैसे भूल सकते हैं कि वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन दिल्ली के वायु प्रदूषण में एक बड़ा योगदानकर्ता है, अध्ययनों से पता चलता है कि वार्षिक पीएम-2.5 प्रदूषण मानक के घनत्व में यह 10-30 प्रतिशत तक जिम्मेदार हैं, जो इसे खराब वायु गुणवत्ता में एक प्रमुख वजह बनाता है। इसी तरह, औद्योगिक गतिविधियों और बिजली संयंत्रों से उत्सर्जन, अपशिष्ट जलाने, भवन निर्माण कार्य और सड़क से उठती धूल शहर में गंभीर वायु प्रदूषण पैदा करने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। इतना ही नहीं, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि दिल्ली-एनसीआर में ऑफिस जाने वालों के लिए, जैसा कि एक अध्ययन बताता है, औसत एकतरफा यात्रा दूरी 22 किमी. है। वास्तव में, ये लंबी औसत यात्रा दूरी और अधिक यात्रा समय पीएम 2.5 और नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसे प्रदूषकों के प्रमुख स्रोत हैं।

लेकिन, ये सवाल उठाना मुश्किल है। क्योंकि इसके लिए हमें खुद के अंदर झांकना होगा और अपनी अतिशयी-आधुनिकता भरी जीवन शैली पर सवाल उठाने पड़ेंगे। लेकिन यह करने की बजाय, हमारे लिए यह मानना आसान है कि अगर हम अपने बेडरूम में एयर प्यूरीफायर इस्तेमाल करेंगे, तो हम सुरक्षित हो जाएंगे; यह मानना आसान है कि अगर टेक्नो-साइंस नकली बारिश कर सकती है, तो चिंता करने की ज़्यादा ज़रूरत नहीं। यह मानना आसान है कि अगर हम पेट्रोल-डीज़ल की बजाय इलेक्ट्रिक कारें अपना लें, तो समस्या हल हो जाएगी। गरीबों के मत्थे उनकी 'गैर-साफ सफाई' जीवन शैली का दोष मढ़ना आसान है। हालांकि, यह मानना मुश्किल है कि अमीर और पैसे वाले लोग, अपनी लग्ज़री एसयूवी और स्पीड कारों, बार-बार हवाई यात्राओं और अति उपभोक्तावाद की वजह से कार्बन एमिशन में बहुत ज़्यादा योगदान देते हैं। और यह भूलना आसान है कि इस प्रदूषण के बुरे स्वास्थ्य प्रभाव अक्सर उन गरीबों पर ज़्यादा पड़ते हैं जो प्रदूषित इलाकों में रहते हैं। सच तो यह है कि जब तक हम टेक्नो-कैपिटलिज़्म के दायरे से आगे देखने की हिम्मत नहीं करेंगे, इस 'जोखिम कारक समाज' से कोई छुटकारा या आज़ादी नहीं है और वह नहीं अपनाते जिसे 'अव्यावहारिक' और 'यूटोपियन' (सब चलता है वाली प्रवृत्ति) माना जाता है। इसके लिए जीवन शैली और शहरी प्लानिंग के एक नए तरीके की ज़रूरत है। इसके लिए एक बदलाव की ज़रूरत है - तेज़ रफ़्तार से धीमी गति की ओर, बड़े-बड़े एक्सप्रेस-वे से ऐसी सड़कों की तरफ जो पैदल चलने और साइकिल चलाने को प्रोत्साहन दें, प्राइवेट गाड़ियों से सार्वजनिक परिवहन की ओर, और दिखावटी उपभोक्तावाद से सादे-टिकाऊ जीवन की ओर; और झूठी ज़रूरतों की चाहत से उन चीज़ों की मांग की तरफ जो हमें और हमारे बच्चों को स्वस्थ रखे - बिना प्रदूषण वाला पीने का पानी, साफ़ हवा, पेड़, पानी के स्रोत, नीला आसमान और भरपूर हरी-भरी जगह। अपनी प्राथमिकताएं चुनना हम पर निर्भर है, सरकार पर दबाव डालें, और तय करना कि हम किस तरह का 'विकास' चाहते हैं।

यशस्वी जायसवाल या ध्रुव जुरेल हो सकते हैं आरआर के अगले कप्तान

एजेंसी । जयपुर

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) की टीम का नया कप्तान बनना निश्चित है। दरअसल, पिछले सीजन तक टीम की कमान संभालने वाले संजू सैमसन इस बार टीम का साथ छोड़ने वाले हैं। ऐसा माना जा रहा है कि उन्हें चेन्नई सुपरकिंग्स (CSK) से ट्रेड किया जा सकता है। इस बीच खबर है कि यशस्वी जायसवाल या ध्रुव जुरेल IPL 2026 के लिए RR के कप्तान बनाए जा सकते हैं।

कप्तानी के लिए रियान पराग के नाम पर नहीं हो रहा विचार

पिछले सीजन में सैमसन कुछ मैच नहीं खेले थे और उनकी गैरमौजूदगी में रियान पराग ने टीम का नेतृत्व किया था। आगामी सीजन में कप्तानी के लिए पराग की जगह पर जायसवाल या फिर जुरेल को तरजीह मिल रही है। ऐसी भी खबरें हैं कि जायसवाल और जुरेल को एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के दौरान ही कप्तानी के लिए तैयार रहने के लिए कह दिया गया था।

आरआर से निरंतर रन बना रहे हैं जायसवाल

जायसवाल ने लगातार तीसरे संस्करण में 400+ रन बनाए थे। IPL 2024 में उन्होंने 16 मैच में 31.07 की औसत और 155.91 की स्ट्राइक रेट से 435 रन बनाए थे। IPL 2023 में उन्होंने 48.07 की औसत से 625 रन बनाए थे।

आरआर ने पिछले सीजन में किया था निराश

IPL 2025 में RR का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। सैमसन चोट के चलते कुछ मैच नहीं खेले थे और पराग ने टीम की कप्तानी की थी। निराशाजनक प्रदर्शन करने वाली RR ने पिछले सीजन में सिर्फ 4 मैच जीते थे। अंक तालिका में RR की टीम 9वें स्थान पर रही थी। IPL 2025 में सैमसन ने 9 पारियों में 35.62 की औसत और 140.39 की स्ट्राइक रेट से 285 रन बनाए थे, जिसमें 1 अर्धशतक शामिल था।

पिछले सीजन में खूब चला था जायसवाल का बल्ला

IPL 2025 में जायसवाल ने 14 पारियों में 43 की औसत और 159.71 की स्ट्राइक रेट से 559 रन बनाए थे। उनके बल्ले से 6 अर्धशतक निकले और उनकी स्ट्राइक रेट 159.71 की रही थी। विकेटकीपर बल्लेबाज जुरेल ने 13 पारियों में 37 की औसत से 333 रन बनाए थे। उनके बल्ले से 2 अर्धशतक निकले थे। पिछले सीजन में जायसवाल RR की ओर से सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे।

लेवांडोव्स्की की हैट्रिक से बार्सिलोना जीता

एजेंसी । मैड्रिड

रॉबर्ट लेवांडोव्स्की की हैट्रिक से बार्सिलोना ने सेल्टा विगो पर शानदार जीत हासिल की। इस जीत के साथ बार्सिलोना स्पेनिश लीग फुटबॉल ला लिगा में शीर्ष पर काबिज रियाल मैड्रिड के करीब पहुंच गया है। लेवांडोव्स्की और लेमिन यामल ने बार्सिलोना को सेल्टा विगो पर 4-2 से जीत दिलाई। अब बार्सिलोना और रियाल मैड्रिड के बीच केवल तीन अंक का अंतर रह गया है। बार्सिलोना से हार से सेल्टा की सभी टूर्नामेंटों में लगातार पांच मैचों की जीत का सिलसिला रुक गया। विलारियाल ने एस्पेनयोल को 2-0 से हराकर लीग में लगातार तीसरी जीत हासिल की। वह रियाल मैड्रिड से पांच अंक पीछे तीसरे स्थान पर जबकि एटलेटिको मैड्रिड छह अंक पीछे चौथे स्थान पर है। एटलेटिको ने शनिवार को घरेलू मैदान पर लेवांते को 3-1 से हराया था।

सीरीज हारने का जश्न नहीं मनाया जा सकता : गंभीर

एजेंसी । नई दिल्ली

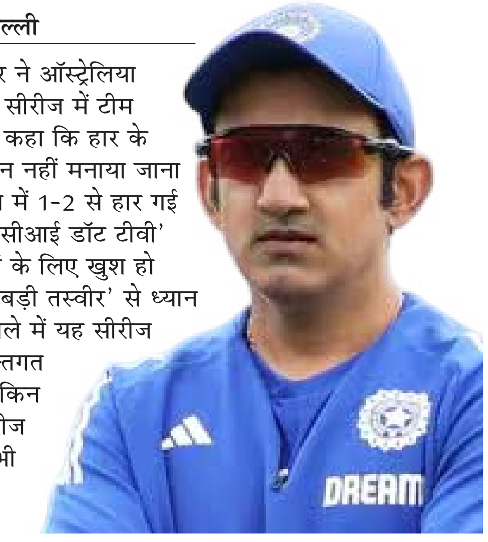

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल में एकदिवसीय सीरीज में टीम की हार की आलोचना करते हुए कहा कि हार के बाद 'सराहनीय' प्रदर्शन का जश्न नहीं मनाया जाना चाहिए। भारतीय टीम इस सीरीज में 1-2 से हार गई थी। सोमवार को गंभीर ने 'बीसीसीआई डॉट टीवी' से कहा कि वे सफल खिलाड़ियों के लिए खुश हो सकते हैं, लेकिन किसी को भी 'बड़ी तस्वीर' से ध्यान नहीं हटाना चाहिए और इस मामले में यह सीरीज में हार है। उन्होंने कहा, मैं व्यक्तिगत प्रदर्शन से हमेशा खुश रहूंगा। लेकिन सच्चाई यह है कि हम वनडे सीरीज हार गए। कोच के तौर पर मैं कभी सीरीज गंवाने का जश्न नहीं मना सकता।

कुछ खिलाड़ी चमके

ऑस्ट्रेलिया में हुई सीरीज से रोहित शर्मा और विराट कोहली ने आईपीएल के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की थी। रोहित को तीसरे मैच में शतक लगाने के बाद मैच और सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। रोहित ने इससे पहले दूसरे वनडे में 73 रन की पारी खेली थी लेकिन भारत हार गया था। कोहली ने शुरुआती दो मैचों में खाता खोलने में नाकाम रहने के बाद अंतिम मैच में नाबाद 74 रनों की पारी खेली। सीरीज में श्रेयस अय्यर और अक्षर पटेल ने भी प्रभावशाली व्यक्तिगत प्रदर्शन किया। गंभीर ने हालांकि किसी का नाम नहीं लिया न ही उनसे इस सवाल में किसी खास नाम के बारे में पूछा गया था। गंभीर ने कहा, कोच के तौर पर मुझे लगता है कि यह मेरी नैतिक जिम्मेदारी है कि एक राष्ट्र और एक व्यक्ति के तौर पर हमें कभी भी सीरीज हारने का जश्न नहीं मनाना चाहिए। भारत ने हालांकि वनडे के बाद पांच मैचों की टी-20 सीरीज 2-1 से जीती। गंभीर ने कहा, आखिरकार हम देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। टी-20 सीरीज अलग थी, म इसमें जीत दर्ज करने में सफल रहे लेकिन साथ ही बहुत कुछ सीखने को भी मिला।

शतरंज विश्व कप

अर्जुन का सामना लेको और प्रज्ञानंदा का डबोव से

एजेंसी । पणजी

फिडे विश्व कप शतरंज के पहले विश्राम दिवस के बाद भारत के शीर्ष ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी, आर प्रज्ञाननंदा और पी हरिकृष्णा चौथे दौर में भी अपने प्रभावशाली प्रदर्शन को जारी रखने उतरेंगे। भारत के सर्वोच्च रेटिंग वाले अर्जुन एरिगेसी का सामना हंगरी के अनुभवी खिलाड़ी पीटर लेको से होगा। अर्जुन ने अपने शुरुआती दोनों मैच बिना किसी टाईब्रेकर के जीते हैं, जिससे यह मुकाबला खासा रोमांचक माना जा रहा है।

प्रज्ञाननंदा और डुबोव के बीच रणनीतिक मुकाबला

युवा ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा का सामना फिडे के ध्वज तले खेल रहे रूस के डेनियल डुबोव से होगा, जो रणनीतिक खेल के लिए जाने जाते हैं। प्रज्ञाननंदा दूसरे राउंड में ऑस्ट्रेलिया के तैमूर कुयबोकारोव के खिलाफ टाईब्रेकर में जीतकर आगे बढ़े थे और तीसरे राउंड में अर्मेनिया के रॉबर्ट होवहानिस्यान को मात दी थी। अब चौथे दौर में उनका डुबोव के खिलाफ मुकाबला कड़ी परीक्षा साबित हो सकता है। तीनों भारतीयों में सबसे अनुभवी पी हरिकृष्णा का सामना स्वीडन के निल्स ग्रैंडेलियस से होगा। हरिकृष्णा अपने अनुभव और स्थिर खेल के दम पर बढ़त हासिल करने की कोशिश करेंगे। वहीं, विश्व जूनियर चैंपियन वी प्रणव और वेंकटरमण कार्तिक भी चौथे दौर में पहुंच चुके हैं।

कोलकाता पहुंची दक्षिण अफ्रीकी टीम

आज से अभ्यास की संभावना

टेस्ट सीरीज

कोलकाता। विश्व टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका की टीम भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए कोलकाता पहुंच गई है। यह मुकाबला शुक्रवार से ऐतिहासिक ईडन गार्डंस में शुरू होगा। बेंगलुरु में भारत ए के खिलाफ दो अभ्यास मैच खेलने के बाद कप्तान तेंबा बावुमा भी टीम से जुड़ गए हैं। मध्य क्रम के बल्लेबाज जुबैर हमजा ने भी बेंगलुरु में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद मुख्य टीम में जगह बनाई है।

भारतीय टीम भी कोलकाता पहुंची, मंगलवार से अभ्यास

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज खत्म करने के बाद भारतीय टीम रविवार देर रात कोलकाता पहुंची। इस दल में मुख्य कोच गौतम गंभीर, कप्तान शुभमन गिल, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल शामिल हैं। बाकी खिलाड़ी अलग-अलग समूहों में पहुंचेंगे। उम्मीद है कि दोनों टीमें मंगलवार से अभ्यास शुरू करेंगी।

बॉ ली वु ड

विजय वर्मा 'गुस्ताख इश्क' का ट्रेलर रिलीज

अभिनेता विजय वर्मा और फातिमा सना शेख की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'गुस्ताख इश्क' का ट्रेलर आखिरकार रिलीज कर दिया गया है। लंबे समय से चर्चा में बनी इस फिल्म ने अपने पहले ही झलक से दर्शकों के दिलों को जीत लिया है। ट्रेलर देखने के बाद सोशल मीडिया पर फैंस का उत्साह दोगुना हो गया है, क्योंकि इसमें न केवल बेहतरीन संवाद और काव्यात्मक भावनाएं हैं, बल्कि अभिनय का ऐसा संगम दिखता है जो पर्दे पर लंबे समय तक याद रहेगा।

ट्रेलर में झलकता है प्यार और तड़प का गहरा रिश्ता

2 मिनट 34 सेकंड लंबे ट्रेलर में विजय वर्मा एक संवेदनशील, शायराना और जुनूनी प्रेमी के रूप में नजर आ रहे हैं, जो फातिमा सना शेख के किरदार के प्रति अपने इश्क को शब्दों से नहीं, बल्कि एहसासों से बयां करते हैं। ट्रेलर में इश्क, तड़प और जज़्बात की गहराई को बारीकी से बुना गया है। गुलजार के लिखे संवाद फिल्म को एक अलग काव्यात्मक ऊंचाई पर ले जाते हैं। विजय वर्मा का यह किरदार उनके अब तक के निभाए गए रोल्स से बिल्कुल अलग है। वहीं, फातिमा सना शेख की मासूमियत और नजाकत उनके किरदार में जान डाल देती है। दोनों के बीच की स्क्रीन केमिस्ट्री न केवल रोमांटिक है बल्कि भावनात्मक रूप से भी जुड़ाव पैदा करती है। इस प्रेमकहानी को मनीष मल्होत्रा ने प्रोड्यूस किया है, जो पहली बार फिल्म निर्माण की दुनिया में एक बड़े पैमाने पर कदम रख रहे हैं।

28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी 'गुस्ताख इश्क'

फिल्म का निर्देशन विभुपुरी ने किया है, जिन्होंने इस प्रेमकहानी को क्लासिक टच के साथ आधुनिक भावनाओं में पिरोया है। दर्शक इसे एक विजुअल और इमोशनल ट्रीट के रूप में देख रहे हैं। विजय वर्मा और फातिमा सना शेख की यह बहुप्रतीक्षित फिल्म 'गुस्ताख इश्क' इसी महीने 28 नवंबर, 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। ट्रेलर के बाद अब फैंस बेसब्री से इसके संगीत और रिलीज का इंतजार कर रहे हैं, ताकि इस 'इश्क' की गहराई को बड़े पर्दे पर महसूस किया जा सके।

श्रद्धा कपूर के साथ पहली बार जमेगी रणदीप हुड्डा की जोड़ी

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर साल में काफी कम फिल्में करती हैं। 2024 में आई 'स्त्री 2' की जबरदस्त सफलता के बाद अभिनेत्री आगामी फिल्म 'ईथा' को लेकर चर्चा में हैं। 'छावा' जैसी बेहतरीन फिल्म का निर्देशन कर चुके लक्ष्मण उतेकर इस फिल्म का निर्देशन करने वाले हैं। अब खबर है कि 'ईथा' में श्रद्धा के साथ अभिनेता रणदीप हुड्डा को लिया गया है। ये पहला मौका होगा जब खुद से 11 साल बड़े रणदीप संग अभिनेत्री रोमांस करती दिखाई देंगी। बातचीत में सूत्र ने कहा, 'शूटिंग इस महीने के आखिर में मुंबई में शुरू होगी। रणदीप, श्रद्धा के साथ रोमांटिक लीड रोल में हैं... निर्माता कास्टिंग को लेकर बेहद आश्वस्त हैं, क्योंकि रणदीप और श्रद्धा दोनों गहराई और बहुमुखी प्रतिभा लेकर आए हैं जो उतेकर की सोच के साथ पूरी तरह मेल खाती है। बता दें कि फिल्म 'ईथा' प्रसिद्ध लावणी और तमाशा कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर की बायोपिक है। इसके लिए अभिनेत्री लावणी डांस भी सीख रही हैं।

शिल्पा शेट्टी ने लॉन्च किया अज़ा फैशन्स का 'रोअर'

भारत के अग्रणी मल्टी-डिज़ाइनर फैशन रिटेलर एज़ा फैशन्स ने अभिनेत्री, उद्यमी और स्टाइल आइकन शिल्पा शेट्टी कुंद्रा के साथ मिलकर अपना नया और एक्सक्लूसिव डिज़ाइनर कलेक्शन 'रोअर' लॉन्च किया है। यह कलेक्शन आधुनिकता और परंपरा का संगम है, जो स्त्री की ताकत, आत्मविश्वास और गरिमा का उत्सव मनाता है। एज़ा और शिल्पा शेट्टी कुंद्रा कलेक्शन में प्री-ड्रेप्ड साड़ियां, साड़ी ड्रेप वाले स्कर्ट सेट, ड्रेप्ड कफ्तान और क्लासिक प्रिंटेड साड़ियां शामिल हैं। यह सभी डिजाइन स्त्रीत्व की कोमलता और शक्ति के संतुलन को दर्शाते हैं। इन पर एनिमल और बोटैनिकल प्रिंट्स के साथ बारीक हैंड-एम्ब्रॉयडरी की गई है, जो इन्हें हर मौके जैसे डेस्टिनेशन वेडिंग, कॉकटेल पार्टी, या रेड-कार्पेट इवेंट के लिए उपयुक्त बनाती है। शिल्पा शेट्टी कुंद्रा ने कहा, 'मेरी मां हमेशा मेरी साड़ी म्यूज़ रही हैं। उन्होंने साड़ी को हमेशा साहस और आत्मिक सौंदर्य के साथ पहना।

'धुरंधर' से संजय दत्त का दमदार लुक आया सामने

अभिनेता रणवीर सिंह की बहुप्रतीक्षित एक्शन ड्रामा फिल्म 'धुरंधर' को लेकर दर्शकों में उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है। इसी बीच फिल्म के मेकर्स ने संजय दत्त का पहला लुक जारी कर सनसनी मचा दी है। संजय के इस तीखे और दमदार अवतार ने सोशल मीडिया पर धमाल मचा दिया है। उनके चेहरे की भाव-भंगिमा और तीखी नजरों ने लोगों को एक बार फिर याद दिला दिया है कि वे बॉलीवुड के असली 'खलनायक' हैं, जो हर किरदार में अपनी अलग छाप छोड़ते हैं।

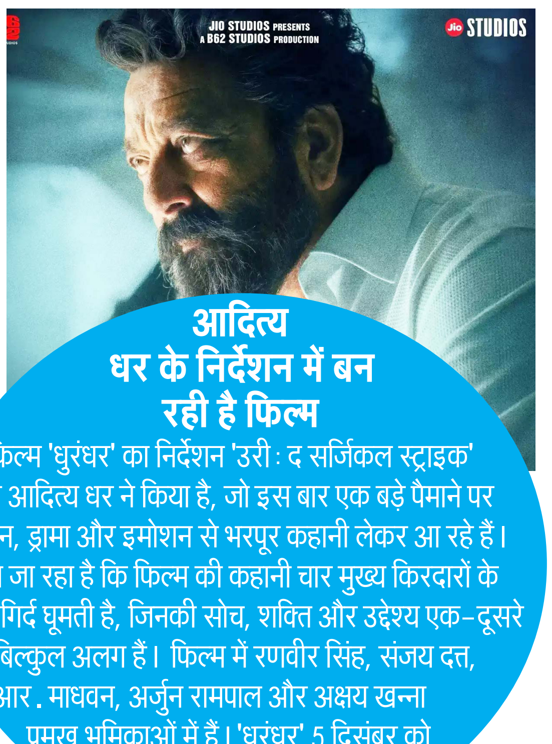

आदित्य धर के निर्देशन में बन रही है फिल्म

फिल्म 'धुरंधर' का निर्देशन 'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक' फेम आदित्य धर ने किया है, जो इस बार एक बड़े पैमाने पर एक्शन, ड्रामा और इमोशन से भरपूर कहानी लेकर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म की कहानी चार मुख्य किरदारों के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनकी सोच, शक्ति और उद्देश्य एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। फिल्म में रणवीर सिंह, संजय दत्त, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल और अक्षय खन्ना प्रमुख भूमिकाओं में हैं। 'धुरंधर' 5 दिसंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पोस्टर में दिखे खतरनाक तेवर

निर्माताओं ने संजय दत्त का जो पोस्टर जारी किया है, उसमें उनका किरदार 'जिन्न' नाम से पेश किया गया है। इस लुक में वे गुस्से से भरी आंखों और रौबदार अंदाज में नजर आ रहे हैं। उनके चेहरे की तीव्रता संकेत देती है कि फिल्म में उनका किरदार बेहद और रहस्यमय होने वाला है। जैसे ही यह पोस्टर आया, प्रशंसकों ने इसे हाथोंहाथ उठा लिया और 'धुरंधर' संजय दत्त यह प्रभावशाली सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा। संजय दत्त से पहले फिल्म के मेकर्स रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल और आर. माधवन का पहला लुक जारी कर चुके हैं। इन तीनों के अलग-अलग अवतारों ने पहले ही फिल्म को लेकर बेसब्री बढ़ा दी थी। अब संजय दत्त के शक्तिशाली पोस्टर ने दर्शकों की जिज्ञासा को और बढ़ा दिया है।

'पंचायत' के अभिषेक बनेंगे कबूतरबाज

'पंचायत' वेब सीरीज से अपार लोकप्रियता हासिल करने वाले अभिनेता जितेंद्र कुमार अब एक बिल्कुल अलग किरदार में नजर आने वाले हैं। अपनी सादगी और दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाले जितेंद्र इस बार 'कबूतरबाजी' यानी पारंपरिक पक्षी प्रतियोगिता पर आधारित एक अनोखी कहानी में दिखाई देंगे। खास बात यह है कि इस फिल्म में उनके साथ पूजा भट्ट भी नजर आएंगी, जो जितेंद्र की मां का किरदार निभाएंगी। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म भारत की सदियों पुरानी कबूतरबाजी की परंपरा पर आधारित एक दिल को छू लेने वाली कहानी पेश करेगी। इसमें भावनाओं, परंपरा और आधुनिक सोच के टकराव को दिखाया जाएगा। फिल्म का निर्माण ख्याति मदान के नॉट आउट एंटरटेनमेंट बैनर तले किया जा रहा है, जबकि बिलाल हसन इसके निर्देशक हैं और हितेश केवल्य सह-निर्माता के रूप में जुड़े हैं। निर्माताओं ने फिलहाल फिल्म का शीर्षक तय नहीं किया है। माना जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग अगले साल 2026 की शुरुआत में शुरू की जाएगी। कहानी का केंद्र पारिवारिक रिश्तों और पारंपरिक कबूतरबाजी के जुनून के इर्द-गिर्द घूमता है। काम की बात करें तो जितेंद्र कुमार आखिरी बार वह 'भागवत : चैप्टर वन राक्षस' में नजर आए थे, जो जी5 पर रिलीज हुई थी। वहीं पूजा भट्ट हाल ही में ओटीटी और फिल्मों दोनों में अपने दमदार किरदारों के लिए चर्चा में रही हैं।

दूसरे चरण का अंतिम रण

दूसरे फेज की 122 सीटों पर वोटिंग आज

गयाजी के 3 गांवों में 25 साल बाद होगी वोटिंग

एजेंसी । पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे फेज की 122 सीटों पर वोटिंग 11 नंवबर को होनी है। मतदान मंगलवार सुबह 7 बजे से शुरू होगा। इसके लिए 45,399 बूथ बनाए गए हैं। आज शाम तक चुनाव कर्मी EVM लेकर बूथों पर पहुंच गए। 122 सीटों पर 1302 उम्मीदवार मैदान में हैं। विधानसभा चुनाव का रिजल्ट 14 नवंबर को आएगा। पहले फेज में रिकॉर्ड 65% वोटिंग हुई थी। इमामगंज प्रखंड के हेरहज, पथरा और केवलडीह गांव के मतदाता लगभग 25 साल बाद अपने गांव में ही मतदान कर सकेंगे। 2001 में आखिरी बार वोटिंग के बाद से इन तीनों गांवों के लोग वोट नहीं डाल पा रहे थे। दरअसल, नक्सलियों के कारण प्रशासन ने इन गांवों का पोलिंग बूथ 10–12 किमी दूर सलैया बना दिया था। दूरी और ट्रांसपोर्ट की कमी के चलते ग्रामीण वहां तक नहीं पहुंच पाते थे।

3.70 लाख वोटर

सेकंड फेज में 3.70 करोड़ वोटर हैं, जिसमें पुरुष मतदाता 1,95,44,041, महिला मतदाता 1,74,68,572, जबकि थर्ड जेंडर के 943 मतदाता भी लोकतंत्र के इस पर्व में हिस्सा लेंगे। 18–29 वर्ष के 84.84 लाख वोटर और 30–40 वर्ष के 1.04 करोड़ 97 हजार वोटर हैं। पहली बार वोट डालने वाले 7,69,356 फ्लोटिंग वोटर किसी भी सीट पर समीकरण बिगाड़ सकते हैं। इसके अलावा, 43 एनआरआई, 6,255 सौ वर्ष से अधिक उम्र, 4,87,219 (80+), 4,04,615 दिव्यांगजन और 63,373 सेवा मतदाता भी चुनाव प्रक्रिया में भाग लेंगे। वोटिंग के लिए 45,399 बूथ तैयार किए गए हैं। इनमें 595 महिला संचालित, 91 दिव्यांगजन संचालित और 316 मॉडल बूथ शामिल हैं। इस चरण में सभी बूथों पर वेबकास्टिंग की जाएगी, ताकि निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित हो सके।

इन जिलों में होगी वोटिंग

दूसरे चरण में बिहार के 20 जिलों में वोटिंग होगी। जिसमें पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, भागलपुर, बांका, जमुई, नवादा, गया, औरंगाबाद, जहानाबाद, अरवल, कैमूर और रोहतास शामिल है। वहीं अगर बात पहले चरण के मतदान की करें तो कुल वोटिंग 65.08 फीसदी हुई थी। जो अबतक का सबसे ज्यादा मतदान है। वहीं महिलाएं पुरुषों से मतदान में काफी आगे रही। महिलाओं ने 69.04% वोट डाले। वहीं पुरुषों का मतदान प्रतिशत 61.56 रहा। मर्दों से 8% के अंतर से महिलाएं आगे रहीं। इसके अलावा सबसे ज्यादा मीनापुर सीट पर 77.54% मत पड़े। वहीं सबसे कम कुम्हरार में 40.17% वोटिंग हुई। बोचाहन सीट पर पुरुषोंका मतदान प्रतिशत सबसे ज्यादा 73.78% रहा। वहीं सबसे कम कुम्हरार में 41.10 फीसदी रहा।

PM मोदी ने 20, शाह ने 38 सभाएं कीं, राहुल-प्रियंका ने महज 25

सबसे ज्यादा 171 सभाएं तेजस्वी यादव ने कीं। CM नीतीश कुमार ने 84 सभाएं कीं। सभाओं के मामले में कांग्रेसी नेता पिछड़े। मल्लिकार्जुन खरगे ने सिर्फ 4, राहुल गांधी ने 13 और प्रियंका गांधी ने 8 सभाओं को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अकेले 20 सभाएं कीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सभाएं 38 जगहों पर हुईं। यह चुनाव के दोनों चरणों में हुई सभाओं का हिसाब है। भाजपा के बड़े नेताओं में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम 34 सभाएं रहीं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 16 और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 20 सभाओं को संबोधित किया। उधर, लोजपा (रा.) के बिहार प्रभारी अरुण भारती ने दावा किया- सबसे अधिक सभाएं चिराग पासवान ने की।

मिजोरम सीएम लालदुहोमा को चुनाव आयोग ने लगाई फटकार

आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मामला

एजेंसी । आइजोल

चुनाव आयोग ने मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा को आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के उल्लंघन के लिए फटकार लगाई है। यह कार्रवाई डम्पा विधानसभा उपचुनाव में पार्टी के लिए प्रचार के दौरान दिए गए उनके बयानों को लेकर की गई है। एक अधिकारी के मुताबिक, आयोग ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) से मिली रिपोर्ट और सत्तारूढ़ जोरोम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) पार्टी अध्यक्ष लललियानसावता के स्पष्टीकरण की समीक्षा करने के बाद पाया कि पार्टी का जवाब अस्वीकार्य है।

मिजो नेशनल फ्रंट ने सीएम के खिलाफ दर्ज कराई थी शिकायत

मुख्य विपक्षी दल मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) ने हाल ही में शिकायत दर्ज कराई थी कि मुख्यमंत्री ने 21 अक्तूबर को वेस्ट फायलेंग गांव में जेडपीएम के प्रचार अभियान की शुरुआत के दौरान घोषणा की कि 770 करोड़ रुपये की लागत से रेइक गांव में बांध बनाकर 15 गांवों को पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा।

'सीएम लालदुहोमा का बयान निंदनीय'

आयोग ने शनिवार को मिजोरम के सीईओ को भेजे पत्र में कहा, 'मुख्यमंत्री लालदुहोमा की तरफ से दिया गया बयान निंदनीय है।' चुनाव आयोग ने जेडपीएम अध्यक्ष को निर्देश दिया है कि वे पार्टी के सभी स्टार प्रचारकों को आचार संहिता का कड़ाई से पालन करने के लिए जागरूक करें। इसके साथ ही चेतावनी दी कि किसी भी स्टार प्रचारक को ऐसा बयान नहीं देना चाहिए, जिससे चुनाव में समान प्रतिस्पर्धा का माहौल बिगड़े या मतदाताओं के मन में निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर संदेह पैदा हो। आयोग ने कहा कि सार्वजनिक पदों पर बैठे लोगों, जिनमें मंत्री भी शामिल हैं, को अपने वक्तव्यों में सावधानी और संयम बरतना चाहिए।

न्यूज़ ब्रीफ

पवित्रा गौड़ा समेत सात लोगों की याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में रेणुकास्वामी हत्याकांड में आरोपी अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा, अभिनेता दर्शन और पांच अन्य लोगों द्वारा दायर याचिका खारिज कर दी। याचिका में उन्होंने 14 अगस्त को उनकी जमानत रद्द करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले की समीक्षा की मांग की थी। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि 14 अगस्त के आदेश का ध्यानपूर्वक अध्ययन करने के बाद, पुनर्विचार का कोई मामला नहीं बनता है। अदालत ने कहा कि ये पुनर्विचार याचिकाएं याचिकाकर्ता द्वारा आपराधिक अपीलों में पारित आदेश की समीक्षा की मांग करते हुए दायर की गई हैं, जिसके तहत कर्नाटक राज्य द्वारा दायर अपीलें स्वीकार की गई थी। हमने उक्त आदेश और रिकॉर्ड का ध्यानपूर्वक अध्ययन किया है। हमारी राय में, पुनर्विचार का कोई मामला नहीं बनता है। परिणामस्वरूप, पुनर्विचार याचिकाएं खारिज की जाती हैं।

आरपीएफ ने 45 मानव तस्करों को किया गिरफ्तार

कोलकाता। पूर्व रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ऑपरेशन आहट के तहत 31 अक्तूबर तक बीते 10 महीनों में 45 मानव तस्करों को गिरफ्तार किया। इस दौरान चार मंडल में 92 किशोरों सहित 108 लोगों को बचाया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बल ने इस वर्ष एक जनवरी से 31 अक्तूबर तक ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत देखभाल और संरक्षण की जरूरत वाले 976 बच्चों (591 लड़कों और 385 लड़कियों) को भी बचाया है। पूर्व रेलवे के अधिकारी ने बताया कि ऑपरेशन आहट (मानव तस्करी के खिलाफ कार्रवाई) के तहत आरपीएफ ने 23 मामलों का पता लगाया। इसमें गिरफ्तार मानव तस्कर हावड़ा, सियालदह, आसनसोल और मालदा मंडल से रहे।

एनजीटी ने एस्बेस्टस-सीमेंट शीट को सुरक्षित माना, बैन से इनकार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने देश के निर्माण क्षेत्र के लिए एक बड़ा फैसला सुनाते हुए एस्बेस्टस-सीमेंट शीट्स पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने से इनकार किया है। अधिकरण ने कहा कि अब तक कोई ठोस वैज्ञानिक प्रमाण नहीं मिला है जिससे यह साबित हो सके कि एस्बेस्टस-सीमेंट शीट्स के सामान्य उपयोग से जनता के स्वास्थ्य को कोई खतरा है। यह फैसला डॉ. राजा सिंह बनाम भारत सरकार मामले में सुनाया गया। यह निर्णय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) द्वारा गठित एक बहुविषयक विशेषज्ञ समिति की विस्तृत जांच रिपोर्ट पर आधारित है।

सीमा पार से आने वाले ड्रोन को मार गिराएगा महिलाओं का 'दुर्गा ड्रोन स्क्वाड्रन'

एजेंसी । नई दिल्ली

सीमा सुरक्षा बल 'बीएसएफ' की महिला जवान, सीमा पार से आने वाले ड्रोन को मार गिराएंगी। बीएसएफ द्वारा इसके लिए पहले महिला ड्रोन स्क्वाड्रन, जिसे 'दुर्गा ड्रोन स्क्वाड्रन' का नाम दिया गया है, की ट्रेनिंग जोर-शोर से चल रही है। यह ट्रेनिंग बल के ग्वालियर स्थित 'स्कूल ऑफ ड्रोन वॉरफेयर' में प्रदान की जा रही है। इस ट्रेनिंग का मकसद, महिला जवानों को आधुनिक तकनीक से लैस कर सीमा प्रबंधन और सुरक्षा में उनकी सक्रिय भागीदारी को ज्यादा सशक्त बनाना है। प्रशिक्षण के दौरान, महिला प्रहरियों को ड्रोन उड़ाने, नियंत्रित करने और निगरानी मिशनों के लिए डेटा एकत्रित करने की विशेष ट्रेनिंग दी जा रही है। बीएसएफ के मुताबिक, डीजी दलजीत चौधरी की प्रेरणा से सीमा सुरक्षा बल के इतिहास में यह एक नया अध्याय जुड़ गया है। वर्तमान समय में युद्ध, बल से नहीं, बल्कि तकनीक से लड़ा जा रहा है।

स्कूल भर्ती घोटाला

बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी की रिहाई का रास्ता साफ

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित स्कूल भर्ती घोटाले मामले में पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी की रिहाई का रास्ता आखिरकार साफ हो गया है। सोमवार को कोलकाता की एक अदालत में आठ गवाहों की गवाही पूरी होने के बाद उनकी जमानत की प्रक्रिया शुरू हो गई। सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही अगस्त में उन्हें जमानत दे दी थी, लेकिन रिहाई की शर्त गवाहों के बयान पूरे होने पर निर्भर थी। सुप्रीम कोर्ट ने 18 अगस्त को पार्थ चटर्जी को सीबीआई जांच वाले इस मामले में जमानत देते हुए कहा था कि उन्हें तभी रिहा किया जाएगा जब ट्रायल कोर्ट 'महत्वपूर्ण गवाहों' के बयान दर्ज कर ले। कोर्ट ने यह भी कहा था कि तीन साल तक जेल में रहने के बाद अब उनकी निरंतर हिरासत 'न्याय के साथ अन्याय' होगी। सोमवार को जब सभी आठ गवाहों की गवाही पूरी हो गई तो बचाव पक्ष ने अदालत में रिहाई का आदेश जारी करने की मांग की।

तीन साल बाद मिलेगी जमानत

रिहाई की प्रक्रिया और आगे की कार्रवाई

पार्थ चटर्जी के वकीलों ने अदालत को बताया कि अब जब गवाहों की परीक्षा पूरी हो चुकी है, तो सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार उन्हें रिहा किया जाना चाहिए। अदालत द्वारा बेल बॉन्ड पास होते ही चटर्जी की रिहाई संभव हो जाएगी। बताया जा रहा है कि फिलहाल चटर्जी अस्पताल में भर्ती हैं और औपचारिक प्रक्रिया पूरी होते ही उन्हें जमानत पर रिहा किया जाएगा।

क्या है पूरा मामला?

सीबीआई द्वारा दर्ज मामले में पार्थ चटर्जी और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारियों पर सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में कक्षा 9 से 12 तक के शिक्षकों और ग्रुप 'सी' कर्मचारियों की भर्ती में भारी अनियमितताओं के आरोप हैं। यह घोटाला तब सामने आया जब बड़ी संख्या में उम्मीदवारों ने स्कूल सर्विस कमीशन (एसएससी) पर पैसे लेकर नौकरी देने का आरोप लगाया था।

अन्य आरोपी और कोर्ट की टिप्पणी

इस मामले में चटर्जी के अलावा एसएससी के पूर्व चेयरमैन सुबीर भट्टाचार्य और सलाहकार समिति के पूर्व अध्यक्ष एस. पी. सिन्हा भी आरोपी हैं। अदालत ने यह भी कहा कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आरोप चार सप्ताह के भीतर तय किए जाएं और दो महीने में गवाहों के बयान दर्ज हों। पार्थ चटर्जी को जुलाई 2022 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था और बाद में अक्तूबर 2024 में सीबीआई ने भी उन्हें हिरासत में लिया था। ईडी के अन्य मामलों में उन्हें पहले ही जमानत मिल चुकी है।

महिला आरक्षण अधिनियम के कार्यान्वयन पर केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023' के कार्यान्वयन संबंधी याचिका पर सोमवार को केंद्र सरकार से जवाब मांगा। इस अधिनियम के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित की गई हैं। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने केंद्र को नोटिस जारी करते हुए कहा, भारत के संविधान की प्रस्तावना कहती है कि सभी नागरिक राजनीतिक और सामाजिक समानता के अधिकारी हैं। इस देश में सबसे बड़ा अल्पसंख्यक कौन है? महिलाएं, जो लगभग 48 प्रतिशत हैं। यह अधिनियम महिलाओं की राजनीतिक समानता से जुड़ा है। याचिकाकर्ता जया ठाकुर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शोभा गुप्ता ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजादी के 75 साल बाद भी महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व के लिए अदालत की शरण लेनी पड़ रही है। जया ठाकुर ने अधिवक्ता वरुण ठाकुर के माध्यम से दायर याचिका में नये परिसीमन की प्रक्रिया का इंतज़ार किए बिना अधिनियम लागू करने का अनुरोध किया है।

केरल में दो चरणों में होगा स्थानीय निकाय चुनाव

9 और 11 दिसंबर की तारीख तय

पहले चरण में सात जिलों में डाले जाएंगे वोट

एजेंसी । तिरुवनंतपुरम

केरल राज्य निर्वाचन आयोग ने सोमवार को घोषणा की कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव दो चरणों में 9 और 11 दिसंबर को आयोजित किए जाएंगे। पहले चरण में 9 दिसंबर को तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, पथानमथिट्टा, कोट्टायम, अलप्पुझा, इडुक्की और एर्नाकुलम जिलों में मतदान होगा। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक चलेगा, जबकि मतगणना 13 दिसंबर को की जाएगी।

दूसरे चरण में सात जिलों के मतदाता करेंगे मतदान

दूसरे चरण में 11 दिसंबर को त्रिशूर, पलक्कड़, मलप्पुरम, वायनाड, कोझिकोड, कन्नूर और कासरगोड जिलों में मतदान होगा। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 नवंबर तय की गई है, नामांकन पत्रों की जांच 22 नवंबर को होगी और नाम वापस लेने की आखिरी तारीख 24 नवंबर रखी गई है।

1,199 स्थानीय निकायों में होगा चुनाव, आदर्श आचार संहिता लागू

राज्य निर्वाचन आयुक्त ए. शाजहान ने बताया कि चुनाव राज्य के 1,200 में से 1,199 स्थानीय निकायों में होंगे, क्योंकि मत्तनूर नगरपालिका परिषद का कार्यकाल 2027 तक वैध है। चुनाव में 941 ग्राम पंचायतें, 152 ब्लॉक पंचायतें, 14 जिला पंचायतें, 86 नगरपालिकाएं और छह नगर निगम शामिल होंगे। कुल 23,512 वार्डों के लिए 33,746 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जहां 2,84,30,761 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 2,841 प्रवासी भारतीय मतदाता भी शामिल हैं। शाजहान ने कहा कि आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से पूरे राज्य में लागू हो गई है।

यूएन रिपोर्ट | बढ़ते तापमान के कारण संघर्ष और भुखमरी भी बढ़ी

जलवायु आपदाओं की वजह से 25 करोड़ लोग हुए बेघर

तूफान और सूखे ने दुनिया भर में लोगों को बेघर होने पर मजबूर किया

एजेंसी । नई दिल्ली

बीते एक दशक में जलवायु से संबंधित आपदाओं की वजह से दुनियाभर में 25 करोड़ लोग बेघर हुए हैं। यानी हर दिन 70 हजार लोगों को बाढ़, तूफान, सूखा और भीषण गर्मी जैसी आपदाओं की वजह से अपना घर बार जबरन छोड़कर जाना पड़ा। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचसीआर) की रिपोर्ट से यह खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार बाढ़, तूफान, सूखा और अत्यधिक गर्मी पूरी दुनिया में संघर्ष और विस्थापन को बढ़ावा दे रही हैं।

शरणार्थी सबसे अधिक प्रभावित

रिपोर्ट में कहा गया है कि शरणार्थी और विस्थापित लोग, जो अक्सर अनिश्चित परिस्थितियों में रहते हैं, जलवायु संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं, जबकि जलवायु को नुकसान पहुंचाने में उनका योगदान बहुत कम है।

संघर्ष और आपदा वाले देशों की संख्या तीन गुनी हुई

यूएनएचसीआर की रिपोर्ट 'नो एस्केप II: द वे फॉरवर्ड' में बताया गया है कि 2009 की तुलना में उन देशों की संख्या तीन गुनी हो गई है जहां लोग संघर्ष और आपदा दोनों की वजह से विस्थापित हो रहे हैं। 2025 के मध्य तक, युद्ध, हिंसा और उत्पीड़न के कारण 11.7 करोड़ लोग विस्थापित हो चुके हैं। यह रिपोर्ट ऐसे समय में जारी की गई है।

रिपोर्ट की प्रमुख बातें

- 25 करोड़ लोग जलवायु से संबंधित आपदाओं की वजह से विस्थापित हुए
- 2025 में 11.7 करोड़ लोग संघर्ष और हिंसा के कारण विस्थापन के शिकार
- दुनियाभर में 1 अरब बच्चे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से अत्यधिक खतरे में
- 2016 और 2023 के बीच, मौसम संबंधी कारणों से 6.2 करोड़ से ज्यादा बच्चों का विस्थापन हुआ

तिरुपति मंदिर लड्डू घोटाला

250 करोड़ का गड़बड़झाला

68 लाख किलो मिलावटी घी-मक्खन किया सप्लाई

पांच साल तक नकली घी से चढ़ा प्रसाद

एजेंसी । नई दिल्ली

देश के सबसे प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में से एक तिरुमला तिरुपति देवस्थानम में चढ़ाए जाने वाले लड्डू प्रसाद में इस्तेमाल होने वाले घी से जुड़ा बड़ा घोटाला सामने आया है। सीबीआई जांच में खुलासा हुआ है कि उत्तराखंड की एक डेयरी ने 5 साल तक तिरुपति मंदिर को 68 लाख किलो नकली घी की सप्लाई की, जिसकी कीमत करीब 250 करोड़ रुपये बताई जा रही है। सीबीआई की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने बताया कि 'भोले बाबा ऑर्गेनिक डेयरी', जो 2019 से 2024 तक घी की आपूर्ति कर रही थी, उसने कभी दूध या मक्खन की असली खरीदारी नहीं की, बल्कि रासायनिक पदार्थों जैसे मोनोडाईग्लिसराइड्स और एसिटिक एसिड एस्टर का इस्तेमाल कर कृत्रिम घी तैयार किया।

जाली रिकॉर्ड और फर्जी सप्लाई का खेल

सीबीआई रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तराखंड के भगवानपुर में स्थित इस डेयरी के संचालक पोमिल जैन और विपिन जैन ने नकली देशी घी यूनिट बनाई और दूध खरीद के झूठे रिकॉर्ड तैयार किए। जब 2022 में भोले बाबा डेयरी को ब्लैकलिस्ट किया गया, तब भी इन लोगों ने अन्य कंपनियों के नाम पर जैसे वैष्णवी डेयरी (तिरुपति), माल गंगा डेयरी (उत्तर प्रदेश) और एआर डेयरी फूड्स (तमिलनाडु) के जरिये नकली घी की सप्लाई जारी रखी।

खुलासा: रिजेक्ट घी को फिर मंदिर में भेजा गया

जांच में यह भी सामने आया कि जुलाई 2023 में टीटीडी द्वारा रिजेक्ट किए गए चार टैंकर घी (जिनमें पशु वसा की मिलावट थी) को भोले बाबा डेयरी ने लेबल बदलकर फिर से मंदिर को भेज दिया। एफएसएसएआई और सीबीआई टीम जब तमिलनाडु के डीडिगुल स्थित एआर डेयरी प्लांट पहुंची, तो पता चला कि रिजेक्ट घी वापस नहीं गया।

सीबीआई की कार्रवाई जारी

सीबीआई ने अपनी रिमांड रिपोर्ट में बताया कि यह मामला केवल धोखाधड़ी नहीं बल्कि धार्मिक आस्था से जुड़ा गंभीर अपराध है। एजेंसी अब यह जांच रही है कि TTD के किन अधिकारियों की मिलीभगत इस पूरे घोटाले में रही। बता दें कि आंध्र प्रदेश में तिरुमला पहाड़ी पर स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में दिए जाने वाले प्रसिद्ध तिरुपति लड्डू में कथित मिलावट का मामला पिछले साल सामने आया था। मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रभावित पक्ष इस प्रकरण को सुप्रीम कोर्ट तक ले गया।